PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 299 ● भिलाई, बुधवार 10 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

12 राज्यों में मानसून की दस्तक, भीषण गर्मी को लेकर भी आया अलर्ट

नईदिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने देश के 12 राज्यों में दस्तक दे दी है। रविवार तक इसने पूरे केरलम, कर्नाटक, मणिपुर, नगालैंड और मिजोरम को कवर कर लिया। इसी के चलते उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में झमाझम बारिश देखने को मिली। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 11 जून तक पश्चिमी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज-चमक और बारिश की बौछारों के साथ लू चलने की संभावना जताई है। देश में मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। 6 जून तक केरलम, कर्नाटक, गोवा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और असम में पहुंच चुका है। इनमें से कुछ राज्यों में 9 जून को तेज बारिश हो सकती है। 8 जून से 5 जुलाई तक इसके मेघालय, तेलंगाना, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और राजस्थान में पहुंचने की उम्मीद है।

लक्षद्वीप में 47 साल बाद होगी शराब की बिक्री

कावारत्ती। मुस्लिम बहुल केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में 47 सालों में पहली बार लाइसेंस प्राप्त दुकानों के माध्यम से शराब की बिक्री होगी। इसके पीछे कारण केंद्र सरकार द्वारा लक्षद्वीप निषेध विनियमन, 1979 को निरस्त करना है। इस कानून ने लागू होने के बाद से लक्षद्वीप को शराब से मुक्त रखा था। कवरत्ती और बंगाराम द्वीपों पर सरकारी बार और पर्यटक रिसॉर्ट्स के लिए शराब महज अपवाद रहे हैं। सरकार ने लक्षद्वीप निषेध विनियमन, 1979 को 5 जून को जारी राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से निरस्त कर दिया है। उसकी जगह नया उत्पाद शुल्क विनियम, 2026 लागू किया जा रहा है। इसके तहत लाइसेंसिंग प्रणाली लागू की गई है, जिसके अंतर्गत शराब के निर्माण, कब्जे, आयात, निर्यात, परिवहन, खरीद, बिक्री और उपभोग को नियोंत्रित किया जाएगा। सरकारी निगमों और एजेंसियों को भी शराब के आयात और खुदरा बिक्री के लिए लाइसेंस की अनुमति दी गई है। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह खुला शराब बाजार नहीं होगा।

सोना पप्पू- जय कामदार मामले में श्रेया पांडे से ईडी की पूछताछ

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की नेता श्रेया पांडे आज सोना पप्पू से जुड़े सिंडिकेट मामले के सिलसिले में साल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुईं। उन्हें मंगलवार को पेश होना था। लेकिन, तृणमूल नेता एक दिन पहले ही ईडी दफ्तर पहुंच गईं। बताया जाता है कि मोबाइल फोन जैसे डिजिटल डिवाइस की जांच में श्रेया पांडे का नाम सामने आया। हालांकि श्रेया ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि वह अपनी मर्जी से ईडी के सामने पेश हुई थीं और उन्हें सोमवार के लिए कोई समन नहीं मिला था।

साय कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों पर लगी मुहर

कृषक उन्नति योजना नए स्वरूप में होगी लागू-सीएम साय

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित महानदी भवन मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में किसानों, ऊर्जा, परिवहन, खनिज और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगाई गई। कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की सैद्धांतिक मंजूरी देने के साथ ही खरीफ-2026 से कृषक उन्नति योजना के नए स्वरूप को भी स्वीकृति दी। इसके अलावा प्रदेश में 240 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन, योग विषय के प्रशासनिक पुनर्गठन और खनिज परिवहन व्यवस्था को तकनीक आधारित बनाने जैसे अहम निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को आईपीओ के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किए जाने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है। सरकार का मानना है कि इस कदम से आम नागरिकों और निवेशकों को कंपनी की विकास यात्रा में भागीदार बनने का अवसर मिलेगा। साथ ही कंपनी की वित्तीय क्षमता, पारदर्शिता और संसाधन जुटाने की क्षमता को भी मजबूती मिलेगी। इस संबंध में आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने के लिए कंपनी के संचालक मंडल को अधिकृत किया गया है। मंत्रिपरिषद ने खरीफ-2026 से कृषक उन्नति योजना के नए स्वरूप को

मंजूरी दी है। योजना का उद्देश्य फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना, किसानों की आय बढ़ाना और धान पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है। नई व्यवस्था के तहत धान के स्थान पर अन्य खरीफ फसलें लेने वाले किसानों तथा दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास की खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये की आदान सहायता दी जाएगी। योजना का लाभ एकीकृत किसान पोर्टल, एग्रीस्टेक पंजीयन और डिजिटल क्रॉप सर्वे के आधार पर मिलेगा। सरकार को उम्मीद है कि इससे प्रदेश में वैकल्पिक फसलों का रकबा बढ़ेगा और कृषि क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थिरता के साथ जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। कैबिनेट ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में पात्र हितग्राहियों को चना वितरण की निरंतरता बनाए रखने के लिए आवश्यक चना उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके तहत छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को नेकडेक्स-ई-मार्केट के ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिकतम 0.25 प्रतिशत या उससे कम सर्विस चार्ज पर चना खरीदने की अनुमति दी गई है। साथ ही वर्तमान व्यवस्था को अवधि अप्रैल से जून 2026 तक तीन माह के लिए बढ़ाने का अनुमोदन भी किया गया है। इससे खाद्य एवं पोषण सुरक्षा योजनाओं के लाभार्थियों को

खनिज परिवहन में आरएफआईडी और ट्रैकिंग सिस्टम अनिवार्य

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन तथा भंडारण) नियम, 2009 में संशोधन को भी मंजूरी दी है। नए प्रावधानों के तहत खनिज परिवहन करने वाले वाहनों में आरएफआईडी टैग और वाहन ट्रैकिंग प्रणाली अनिवार्य होगी। साथ ही खनिजों के ग्रेड निर्धारण और मात्रा आकलन के लिए आधुनिक तकनीक आधारित व्यवस्था लागू की जाएगी। भंडारण अनुज्ञापत्रधारियों से वसूले जाने वाले भंडारण शुल्क और सिक्योरिटी डिपॉजिट में वृद्धि की गई है। इसके अलावा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए लाइसेंसधारकों को अतिरिक्त भूमि स्वीकृति तथा दो भंडारण लाइसेंसों के एकीकरण का प्रावधान भी लागू किया गया है। सरकार का दावा है कि इन बदलावों से अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा। पारदर्शिता बढ़ेगी और राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी।

बंगाल में टीएमसी नेताओं पर एक्शन तेज

पूर्व मेयर सब्यसाची दत्ता गिरफ्तार,बढ़ी मुश्किलें....

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय बड़े उतार चढ़ाव से गुजर रही है। जब से सत्ता का परिवर्तन हुआ है तब से ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है। जिस कड़ी में अब बिधाननगर के पूर्व मेयर और टीएमसी के वरिष्ठ नेता सब्यसाची दत्ता की गिरफ्तारी ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। बता दें कि जबरन वसूली के आरोप में हुई यह कार्रवाई बंगाल की बदलती राजनीतिक तस्वीर की ओर इशारा करती है। वहीं विपक्ष इसे कानून का राज बता रहा है जबकि टीएमसी समर्थक इसे राजनीतिक प्रतिशोध

का हिस्सा बता रहा है। सब्यसाची दत्ता के बारे में बताए तो यह पश्चिम बंगाल की राजनीति का जाना-पहचाना चेहरा हैं। जिनको बिधाननगर नगर निगम के पहले मेयर के रूप में चुना गया था और यह राजारहाट-न्यू टाउन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं।

आत्महत्या या हत्या?

जेल के बाथरूम में फंदे से लटका मिला कैदी का शव एक दिन पहले ही दुष्कर्म मामले में हुआ था दाखिल.....

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां जिला जेल के अंदर एक कैदी का शव बाथरूम में फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला है। घटना से जेल परिसर में हड़कंप मच गया और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि दुष्कर्म मामले में एक दिन पहले ही उसे जेल में दाखिल किया गया था। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय सामने आई जब सुबह सफाईकर्मी बाथरूम की सफाई के लिए पहुंचे। अंदर का दृश्य देखकर जेल स्टाफ ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद कोतवाली पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। मृतक कैदी की पहचान दुवास राम के रूप में हुई है, जिसे एक दिन पहले ही दुष्कर्म के मामले में जेल दाखिल किया गया था। बताया जा रहा है कि वह कोरबा जिले के बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के जवाली गांव का रहने वाला था। उसे 8 जून को बलौदा पुलिस ने नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने, अपहरण और अनाचार के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जानकारी के मुताबिक, कैदी का शव जेल के बाथरूम में उसके ही कपड़ों से बनाए गए फंदे के सहारे खिड़की से लटका मिला। घटना की सूचना तुरंत परिजनों को दी गई। परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज

दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस, फॉरेंसिक टीम और साइबर सेल मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। जांजगीर सीएसपी योगिता खापर्डे ने बताया कि दुवास राम केंवट एक नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले गया था, जिसके बाद बलौदा पुलिस ने 8 जून को कार्रवाई करते हुए उसे अपहरण और अनाचार के मामले में गिरफ्तार कर जेल दाखिल कराया था। उन्होंने बताया कि जेल के अंदर क्या हुआ और दुवास राम ने आत्महत्या क्यों की, या उसकी हत्या की गई है, इसका अभी खुलासा नहीं हो पाया है। मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। जेल के अंदर हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर 21 वर्षीय दुवास राम के साथ जेल के भीतर ऐसा क्या हुआ कि उसकी मौत हो गई, यह जांच का विषय बना हुआ है। पुलिस मामले की सूक्ष्मता से जांच कर रही है। फॉरेंसिक और साइबर शाखा की टीम भी हर पहलू की पड़ताल में जुटी हुई है।

डोनाल्ड ट्रंप को लगा एक बड़ा झटका

गुड न्यूज...अमेरिकी कोर्ट ने रद्द की एक लाख डॉलर की फीस

वॉशिंगटन/ एजेंसी

अमेरिका में काम करने का सपना देख रहे लाखों भारतीयों के लिए एक बहुत ही शानदार गुड न्यूज सामने आई है। एक अमेरिकी फेडरल जज ने ट्रंप प्रशासन के नए एच-1बी वीजा पर लगाई गई 1 लाख डॉलर (करीब 96 लाख रुपए) की भारी-भरकम फीस को पूरी तरह रद्द कर दिया है। यह बड़ा फैसला डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सरकार के लिए एक बहुत बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक झटका माना जा रहा है। अमेरिका के डिस्ट्रिक्ट जज रिचर्ड स्टर्न्स ने सोमवार 8 जून को यह बेहद अहम

और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सितंबर 2025 के एक राष्ट्रपति आदेश से लाई गई यह योजना शक्तियों के अलग-अलग होने के नियम का खुला उल्लंघन करती है। इस बड़े फैसले से हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों को बहुत भारी राहत मिलेगी जो वहां अपना करियर बनाना चाहते हैं। जज स्टर्न्स का यह फैसला 6 महीने बाद आया है जब वॉशिंगटन डी.सी. के एक फेडरल जज ने ट्रंप सरकार के पक्ष में अपना फैसला दिया था। वह पुराना मामला अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने दायर किया था जिसमें कहा गया था कि संसद ने फीस लगाने का अधिकार दिया है। लेकिन वह फैसला फरवरी में सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ वाले अहम फैसले से काफी पहले आया था जिसने बाद में स्टर्न्स के निर्णय को पूरी तरह से प्रभावित किया। यह खास वीजा प्रोग्राम अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों को अस्थायी रूप से नौकरी पर रखने की पूरी अनुमति देता है।

नीट पुनर्परीक्षा के लिए भारतीय वायुसेना 18 जगहों से ले जाएगी प्रश्न पत्र

नईदिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी तैयारी कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, 21 जून को निर्धारित पुनर्परीक्षा के लिए भारतीय वायुसेना की मदद ली जाएगी। उसके विमान देश भर के 18 स्थानों से परीक्षा पैकेटों का परिवहन करेगी। भारतीय वायुसेना को प्रश्न पत्र के पैकेट ले जाने का काम सौंपा गया है ताकि इसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने से बचा जा सके। राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि परीक्षा का आयोजन भारत के 551 शहरों में और विदेश के 14 शहरों में आयोजित किया जाएगा। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक पेपर और पेन के जरिए होगी।

सोनिया गांधी से मिलने पहुंचीं ममता

टीएमसी के टूट के बीच आगे की रणनीति पर चर्चा की गई

नई दिल्ली/ एजेंसी

विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक में एकजुटता और बेहतर समन्वय का संदेश देने के ठीक एक दिन बाद मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। यह महत्वपूर्ण बैठक सोनिया गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर आयोजित हुई। राजनीतिक सूत्रों का मानना है कि दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच इंडिया गठबंधन की भविष्य की दिशा, विपक्षी

दलों के बीच तालमेल मजबूत करने और मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा हो सकती है। इसके अलावा, हाल के चुनावी झटकों के बाद टीएमसी में उभरे असंतोष और नेताओं के पार्टी छोड़ने की घटनाओं पर भी बातचीत होने की संभावना जताई जा रही है। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है जब तृणमूल कांग्रेस संगठनात्मक चुनौतियों और आंतरिक खींचतान का सामना कर रही है। पार्टी के कुछ सांसदों द्वारा अलग राह अपनाने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ जाने की खबरों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। ऐसे माहौल में सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की मुलाकात को विपक्षी राजनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सोमवार को इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान भी दोनों नेताओं की मुलाकात चर्चा का विषय बनी थी।

एनडीए सरकार के 12 साल, पीएम मोदी ने तोड़ा नेहरू का रिकॉर्ड

सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले पहले गैर कांग्रेसी पीएम

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश आजाद भारत के सबसे लंबे कार्यकाल तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं. उनके नेतृत्व में एनडीए सरकार के 12 साल पूरे हो चुके हैं. उन्होंने पूर्व पीएम पंडित नेहरू के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. 9 जून 2024 को ही उन्होंने एनडीए के तीसरे कार्यकाल में पीएम पद की शपथ ली थी और उनके सत्ता में रहने के 12 साल भी आज पूरे हो रहे हैं. पीएम मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और आज 9 जून 2026 तक उनके कार्यकाल के 4398 दिन पूरे हो गए हैं. अब वो भारत के सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं. इस उपलब्धि पर एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की 10 जून को बैठक होगी और इसमें एकजुटता दिखाने के साथ शक्ति प्रदर्शन होगा. इस बैठक में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू एक प्रस्ताव रखेंगे. अन्य सहयोगी दलों के नेता प्रस्ताव का समर्थन करेंगे प्रस्ताव में बतौर प्रधानमंत्री पिछले बारह साल की उपलब्धियों का जिक्र किया जाएगा. बता दें इससे पहले भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 13 मई 1952 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी. नेहरू लगातार 4397 दिन यानी 12 साल 14 दिन तक प्रधानमंत्री रहे थे. पीएम मोदी ने 9 जून को सबसे लंबे कार्यकाल तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया. निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर

पर नरेंद्र मोदी ने 4398 दिन यानी 12 साल 15 दिन पूरे कर लिए हैं. नेहरू हालांकि 15 अगस्त 1947 को प्रधानमंत्री बने थे लेकिन 1952 में लोकसभा चुनाव के पहले तक वो पांच साल अंतरिम सरकार के प्रमुख थे. नेहरू तब तक चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री नहीं बने थे. नेहरू 1947 से 27 मई 1964 तक प्रधानमंत्री पद पर रहे. ऐसे में नेहरू का पूरा टाइम तो 6130 दिन होता है. लेकिन इसमें से करीब 5 साल वो अंतरिम सरकार के प्रमुख के तौर पर प्रधानमंत्री रहे. इससे पहले पीएम मोदी ने 25 जुलाई 2025 को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लगातार 4077 दिनों के प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा था. पीएम मोदी भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सत्ता संभालने वाले पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री भी हैं. वो गैर कांग्रेसी सरकार के ऐसे पहले नेता हैं, जिन्होंने लगातार दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार चलाई और अब तीसरी बार एनडीए सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं. पीएम मोदी ने मार्च 2026 में एक बड़ा इतिहास बनाया था. गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री रहने के दोनों कार्यकालों को मिला दें तो वह 8931 दिनों से अधिक समय तक सत्ता में रहने वाले भारत के पहले नेता बन गए थे. उन्होंने तब सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग (8930 दिन) के रिकॉर्ड को तोड़ा था.

'सेवा, सुशासन और विकास' के 12 साल, राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी की तारीफ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास और सुशासन का एक नया अध्याय देखा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 'सेवा' को शासन का मूल मंत्र बनाते हुए प्रशासन को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और जनकेंद्रित बनाया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में यह सुनिश्चित किया गया कि सरकार की योजनाओं और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस दौरान देश ने आर्थिक, सामाजिक और वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को छुआ है, जिससे भारत की पहचान एक मजबूत और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में स्थापित हुई है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने मंगलवार (9 जून) को अपने 12 साल पूरा किया।

भाजपा मंडल बलौदा बाजार ग्रामीण की हुई मासिक बैठक, स्वर्गीय महेतरू राम साहू को दी गई श्रद्धांजलि

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश जिला संगठन के निर्देशानुसार हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल बेमिसाल की विचार व कार्यो को आम जनमानस तक पहुंचाने का कार्यकर्ताओं के बीच हुआ गहन चर्चा केंद्र सरकार राज्य सरकार की विभिन्न योजना को हम लोगों को कैसे सीधे लाभ दिला सके हम संगठन आधारित पारिवारिक पृष्ठभूमि के कार्यकर्ता है इन सभी बातों पर विस्तृत रूप से चर्चा हुआ बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में मोदी के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम के प्रभारी शिव कटरिया जिला मंत्री भाजपा के द्वारा भारतीय जनता पार्टी सरकार की कार्य करने की नीति और विपक्ष के सरकार जब रही उसके कार्य करने की रीति नीति को तुलनात्मक तरीके से कार्यकर्ताओं को बताया गया साथ ही सनातन धर्म के प्रति सरलता और सहज कार्यों से देश को अग्रणी दिशा की ओर ले जाने वाले नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और पश्चिम बंगाल की चुनाव को कैसे जीते और बंगाल में आज आमजन मानस के बीच कैसी प्रेम की स्थितियां पैदा होनी चालू हो गई है इसके बारे में बोला गया बैठक समाप्ति के पूर्व रेवाराम साहू के पिता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष मोहन साहू के दादा वरिष्ठ भाजपा नेता स्वर्गीय महेतरू साहू को दी गई श्रद्धांजलि बैठक को सुनीता वर्मा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा. रविशंकर वर्मा मंडल अध्यक्ष. डोमन लाल वर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष. दिनेश साहू जिला सोशल मीडिया प्रभारी. ने संबोधित किया मंच संचालन विष्णु साहू महामंत्री के द्वारा व आभार व्यक्त चेतन वर्मा बूथ अध्यक्ष के द्वारा किया गया कार्यक्रम में रेवाराम साहू जिला संयोजक विधि प्रकोष्ठ. चितत्रेखा साहू जिला मंत्री भाजपा. लक्ष्मीकांत वर्मा मंडल उपाध्यक्ष. गुलपत ध्रुव मंडल उपाध्यक्ष. सेवक राम साहू. गंगा दास मधुकर. आशाराम वर्मा. कीर्ति वर्मा भागीरथी वर्मा दीपक टिकरिहा भारती साहू बहादुर साहू रेखा वर्मा हरिशंकर यदु प्यारेलाल साहू रविकांत वर्मा दिना कन्नौजे सोनऊ साहू रामचरण ध्रुव भोलेश्वर वर्मा टिकेश्वर सेन यशवंत वर्मा राजू बिजोरा मोहन साहू बृजलाल यादव मुरारी वर्मा रूपेश कश्यप वीरेंद्र बघेल उमाशंकर बघेल उदल ध्रुव आत्माराम साहू विश्वनाथ मानिकपुरी पंचवटी सुनीता वर्मा रत्ना बघेल साहू निरूपा ध्रुव कौशल्या साहू लक्ष्मी यादव सलिता वर्मा कैलाश वर्मा गिरजा गुरु सावित्री वर्मा शतरूपा वर्मा दुलारी साहू ललित साहू धीरज ध्रुव उमा वर्मा रेणुका वर्मा शाहदरा वर्मा रंजन।

डॉ.किरण बघेल की उपस्थिति में भाजपा गंगरेल मंडल की मासिक बैठक संपन्न

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी गंगरेल मंडल की मासिक बैठक ग्राम गंगरेल स्थित मां कर्मा साहू समाज भवन में मंडल अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सभापति मोनिका ऋषभ देवांगन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला संगठन प्रभारी डॉ.किरण बघेल का प्रथम बार गंगरेल मंडल आगमन हुआ, जिनका मंडल कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना डिपेंद्र साहू एवं मंडल सह प्रभारी अविनाश दुबे भी उपस्थित रहे। बैठक में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं 23 जून डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। इसके अंतर्गत वृहत वृक्षारोपण अभियान, जनसंपर्क अभियान, बूथ स्तरीय स्वच्छता अभियान, योग दिवस कार्यक्रम, मन की बात का सामूहिक श्रवण, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तरीय बैठकें तथा संगठनात्मक गतिविधियों के सफल संचालन हेतु प्रभारियों की नियुक्ति की गई। जिला संगठन प्रभारी डॉ.किरण बघेल ने कहा कि भाजपा की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन के प्रत्येक कार्यक्रम को बूथ स्तर तक पहुंचाना तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना दीपेंद्र साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। कार्यकर्ताओं को सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं को घर.घर तक पहुंचाना चाहिए। मंडल सह प्रभारी अविनाश दुबे ने बैठक में लगभग 90 प्रतिशत उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता संगठन की मजबूती का परिचायक है। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा से सफल बनाने का आह्वान किया। मंडल अध्यक्ष मोनिका ऋषभ देवांगन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए गंगरेल मंडल की संगठनात्मक संरचना एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सभी कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु मंडल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं तथा गंगरेल मंडल का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन के निर्देशों के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री चंद्रहास जैन ने किया तथा आभार प्रदर्शन मंडल उपाध्यक्ष मुकेश यादव ने किया। बैठक के पश्चात विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला संगठन प्रभारी डॉ.किरण बघेल के करकमलों से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। बैठक को सफल बनाने में भाजपा कार्यकर्ता महेश शीला सविता, कीर्तन साहू एवं बूथ अध्यक्ष खेमराज साहू का विशेष योगदान रहा। बैठक में विशेष रूप से जिला उपाध्यक्ष श्यामा साहू, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अनीता यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश गोलछा, उमेश साहू, ऋषभ देवांगन, दिग्विजय सिंह, प्रितपाल छाबड़ा, अंगिरा ध्रुव, नरेश यादव, बुद्धेश्वर दीवान, मीना यादव, जयंती ध्रुव, टिकेश्वर देवांगन, दयाराम सिन्हा, रमेश निषाद, तामेश साहू, अजय गाड़िया, सुशांत राव कानपिल्लेवार, बालकृष्ण निषाद, कचरूराम नेताम, नोकेश्वर साहू, रूपराम मंडावी, प्रीतम साहू, अहमद अली खान, उमेंद्र सिन्हा, सोहन यादव एवं गोरखनाथ सिन्हा, फागू राम साहू, लक्ष्मी बया, प्रसून शुक्ला, सियाराम कोर्राम, दलसिंह निषाद, दीपक सिन्हा, कृष्ण कुमार यादव, डामेश्वर साहू, अंकित कुमार यादव, प्रीतम साहू, गिरधारी देवांगन, महिपाल साहू, श्यामू सोनकर, रामाधार साहू, अनीता वर्मा, घनश्याम यादव, भोलानाथ साहू, अंकित यादव, तोमेश साहू सहित मंडल पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारी संयोजक सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रतिभा पब्लिक स्कूल में पहली बार भव्य ब्लैक बेल्ट परीक्षा एवं ग्रेडेशन समारोह का आयोजन

सरायपाली। प्रतिभा पब्लिक स्कूल बालसी के ऑडिटोरियम हॉल में इंटरनेशनल कराटे फेडरेशन इंडिया एवं कोटा का-हा शितो यूं कराटे डो के संयुक्त तत्वावधान में पहली बार भव्य ब्लैक बेल्ट परीक्षा एवं ग्रेडेशन कार्यक्रम का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के चेयरमैन नरेश चंद्र अग्रवाल, थाना प्रभारी नितेश सिंह ठाकुर तथा प्रतिष्ठित व्यवसायी मिथिलेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कराटे कोच रेंशी के. पट्टनायक के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागी कराटे की विभिन्न विधाओं का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों की अद्भुत फुर्ती, अनुशासन और कौशल ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी नितेश सिंह ठाकुर ने खेलों और कराटे के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कराटे केवल एक खेल नहीं, बल्कि आत्मरक्षा का सशक्त माध्यम है। यह बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और मानसिक दृढ़ता का विकास करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि नरेश अग्रवाल द्वारा सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र तथा विभिन्न श्रेणियों में सफल खिलाड़ियों को उनकी योग्यता के अनुसार येलो बेल्ट, ऑरेंज बेल्ट तथा प्रतिष्ठित ब्लैक बेल्ट से सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्यकी कामना की है । कार्यक्रम का सफलता पूर्वक संचालन मे शाला शिक्षक गणेश सामल का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

माँ के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण हेतु भाजयुमो ने लगाए पौधे

धमतरी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन, विश्वास, विकास एवं जनकल्याण के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भारतीय जनता युवा मोर्चा आमदी मंडल धमतरी द्वारा ग्राम मुजगहन एवं ग्राम खरतुली में एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्य म के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ कार्यकर्ताओं द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर जिला महामंत्री ओमेश यादव के मार्गदर्शन में भाजयुमो मंडल अध्यक्ष देवेश साहू, उपाध्यक्ष धासीराम सिन्हा, महामंत्री योगेश्वर सिन्हा, जितेंद्र सिन्हा, राजा साहू, पार्थेंद्र सिन्हा, दुष्यंत साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्य म में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ता ओं ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।

धमतरी में 14 जून को गूंजेगी कबीर वाणी

धमतरी। संत शिरोमणि कबीर साहेब की वाणी मानवीय एकता, सद्भाव और आत्मकल्याण का मूल मंत्र है। आज के समय में कबीर साहेब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक होते जा रहे हैं, क्योंकि उन्होंने समाज को पाखंड, अंधविश्वास और भेदभाव से मुक्त होकर सत्य, प्रेम एवं मानवता का मार्ग अपनाने का संदेश दिया है। कबीर साहेब का यह अमर संदेश आज भी जनमानस को प्रेरित करता है-कबीर खड़ा बाजार में, सबकी मांगे खैर। ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर। ऐसे महान संत सम्राट, संत शिरोमणि कबीर साहेब की 629वीं जयंती के उपलक्ष्य में 14 जून 2026 रविवार को 10.30 से 1.30 कबीर नगर, रत्नाबांधा, धमतरी में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण से होगा। इसके पश्चात कबीर साहेब की मूल वाणी बीजक पाठ एवं कबीर भजनों की प्रस्तुति की जाएगी। तत्पश्चात संत.महात्माओं एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया जाएगा तथा कबीर वाणी पर विचार गोष्ठी का आयोजन होगा जिसमें संतजन एवं अतिथि अपने विचार व्यक्त करेंगे। अंत में गुरु पूजा और भोजन भंडारा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न आश्रमों से संत.साध्वियों का आगमन होगा तथा प्रदेश के विभिन्न अंचलों से श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान भवन निर्माण कार्य का भूमि.पूजन भी संपन्न होगा। साथ ही सामाजिक जागृति एवं नशा उन्मूलन के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ संत संगठन, सद्गुरु कबीर विश्व शांति मिशन छत्तीसगढ़ संत संगठन के संतों, जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन धमतरी की उपस्थिति में हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। यह अभियान आगामी छह माह तक संपूर्ण छत्तीसगढ़ में चलाया जाएगा, जिसके माध्यम से नशामुक्ति एवं जनजागरण का संदेश जन.जन तक पहुंचाया जाएगा। संत रविकर साहेब अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ संत संगठन ने समस्त श्रद्धालुओं एवं नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम की तैयारियों एवं कार्ययोजना को अंतिम रूप देने हेतु 10 जून प्रातः 10 बजे कबीर संस्थान, धमतरी में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई है।

पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला चनाट में 10 दिवसीय समर कैंप संचालित

भंवरपुर। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला चनाट में 10 दिवसीय समर कैंप संचालित है। जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु भिन्न भिन्न विधाओं में गतिविधियों आयोजित की जा रही हैं। जहां योगा, रूप डांस, बांस कला गतिविधि के साथ साथ रोल प्ले (मंचन) मे मातृ पितृ भक्त श्रवण कुमार के कहानी का मंचन हुआ। गायन नीलम राजहंस द्वारा, तबला राधे चौहान, कोरियोग्राफी शाला के प्रधान पाठक नीलांबर नायक द्वारा, साज सज्जा प्रभा जगत द्वारा किया गया। श्रवण कुमार का अभिनय जतिन जगत, राजा दशरथ का अभिनय मितेश तथा अंधा अंधी का अभिनय क्रमशः अरविंद एवं दुतिया द्वारा किया गया।शाला में पदस्थ सभी कर्मचारियों का सहयोग रहा।

अब सेवा-सेतु पोर्टल से बनेंगे नए राशन कार्ड सदस्य जोड़ने और हटाने की सुविधा भी ऑनलाइन

गरियाबंद। सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम के तहत अंत्योदय, प्राथमिकता, एकल निराश्रित एवं निःशक्तजन श्रेणी के नवीन राशन कार्ड जारी करने, राशन कार्ड में सदस्य जोड़ने तथा विलोपित करने की प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई है। इसके लिए राज्य शासन द्वारा सेवा-सेतु पोर्टल (ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल) के माध्यम से आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नवीन राशन कार्ड जारी करने तथा राशन कार्ड में संशोधन संबंधी ऑनलाइन आवेदन सभी लोक सेवा केंद्रों के साथ-साथ स्थानीय निकायों एवं आम नागरिकों के लिए भी सेवा-सेतु पोर्टल पर उपलब्ध रहेंगे। जिले के सभी नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक हितग्राही ऑनलाइन आवेदन कर सकें। लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन करने वाले हितग्राहियों को निर्धारित 30 रुपये शुल्क का भुगतान करना होगा। आवेदन के दौरान आवेदक को आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे, जिसके बाद पोर्टल द्वारा आवेदन रसीद क्रमांक जारी किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने के बाद प्राधिकृत सत्यापनकर्ता अधिकारी द्वारा छत्तीसगढ़ राशन कार्ड नियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों का परीक्षण और सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन उपरांत अनुशंसा सहित आवेदन को डिजिटल हस्ताक्षर कर स्वीकृतकर्ता अधिकारी के पास भेजा जाएगा। स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार पात्र पाए जाने पर नवीन राशन कार्ड जारी करने की स्वीकृति प्रदान की जाएगी। स्वीकृति मिलने के बाद जोन अथवा जनपद कार्यालय स्तर पर ऑनलाइन राशन कार्ड पीडीएफ जनरेट किया जाएगा, जिस पर प्राधिकृत अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर अंकित किए जाएंगे। इसके पश्चात संबंधित कार्यालय या लोक सेवा केंद्र में राशन कार्ड का प्रिंट निकालकर निर्धारित कवर में लगाकर हितग्राही को प्रदान किया जाएगा। हितग्राही स्वयं भी सेवा-सेतु पोर्टल से राशन कार्ड पीडीएफ डाउनलोड कर उसका प्रिंट प्राप्त कर सकते हैं। राशन कार्ड वितरण के समय हितग्राहियों को परिवार के मुखिया एवं सभी दर्ज सदस्यों का ई-केवाईसी उचित मूल्य दुकान में ई-पॉस मशीन अथवा फेस ई-केवाईसी के माध्यम से कराने के लिए निर्देशित किया जाएगा। जिला खाद्य शाखा द्वारा अंत्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित, निःशक्तजन एवं सामान्य श्रेणी के राशन कार्डों के कवर संबंधित कार्यालयों और लोक सेवा केंद्रों को उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही नई व्यवस्था की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों, ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में बैनर-पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

टूलीसा,पल्लवी और श्रेया ने बढ़ाया कुरूद नगर का मान

कुरूद। धमतरी जिले के नगर पालिका कुरूद की तीन होनहार बेटियों टूलीसा साहू, पल्लवी सिन्हा और श्रेया श्रीवास ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर इतिहास रच दिया है। इन बेटियों ने देश के विभिन्न राज्यों और प्रतिष्ठित सांस्कृतिक व धार्मिक केंद्रों में आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे छत्तीसगढ़ सहित अपने गृहग्राम व धमतरी जिले को गौरवान्वित किया है। देश के कौने-कौने में हासिल की प्रथम पोजीशनइन प्रतिभावान बेटियों ने अपनी कला और बेहतरीन परफॉर्मेंस का जलवा देश के सात प्रमुख राज्यों और शहरों में बिखेरा। उन्होंने:जगन्नाथ पुरी (ओडिशा)उज्जैन महाकालेश्वर (मध्य प्रदेश)काशी विश्वनाथ बनारस (उत्तर प्रदेश) विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश)नागपुर (महाराष्ट्र)देहरादून (उत्तराखंड)इन सभी स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में अपनी श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता ने कुरूद का नाम राष्ट्रीय पटल पर अंकित कर दिया है।नगर में हर्ष का माहौल, बधाई देने वालों का लगा तांताबेटियों की इस अद्वितीय उपलब्धि पर कुरूद नगर में उत्सव और हर्ष का माहौल है। इस गौरवपूर्ण क्षण पर नगर के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, आमजनों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। सभी ने बेटियों के घर पहुंचकर और सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें इस शानदार जीत की बधाई दी। साथ ही, सभी शुभचिंतकों ने बेटियों के हुनर की सराहना करते हुए उनके आगामी उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया है।

गंगरेल बांध डैंजर जोन के शासकीय भूमि पर अवैध रिसॉर्ट का निर्माण

धमतरी। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के पश्चात भाजपा की सरकार बनते ही जिले के कुछ लोग अपने आप को नेता साबित करने के उद्देश्य से दबंग मंत्री के शाष्टांग प्रणाम करते हुए अपना वीडियो वायरल कर रहे हैं। इससे पूर्व भी अनेक ऐसे कुछ छुटभैये नेता हैं जो भाजपा के वरिष्ठ नेता, मंत्री के साथ फोटो खिंचाकर, उसे अधिकारियों को दिखाकर अपनी स्वार्थपूर्ति में लीन रहे, ऐसी खबरें समय समय पर वायरल होते रहीं। इन्हीं श्रृंखलाओं में एक तथाकथित जनप्रतिनिधि जो रेत ठेकेदार से वसूली करने नदी तट पर बने ठेकेदार के अस्थायी निवास पर पहुंचा जहां उसकी अर्द्धनग्न होते तक पिटाई की गई। हालांकि यह मामला पुलिस तक पहुंचा और इस पर अब तक क्या कार्यवाही हुई, यह अभी सार्वजनिक नहीं हो पाया है परंतु उसके द्वारा दबंग मंत्री के साथ जो वीडियो वायरल हुआ है, उसे दिखाकर अब यह तथाकथित नेता गंगरेल स्थित खतरे के निशान वाले क्षेत्र में रिसॉर्ट बनाकर राजस्व विभाग को खुली चुनौती दे रहा है। राजस्व अमला ऐसे तथाकथित नेता पर कार्यवाही करने से डर रहा है जबकि यही कार्य कोई दूसरा किया होता तो शायद अब तक उस पर कार्यवाही हो जाती। जिला धमतरी एक ऐसा अभागा जिला है जहां धड़ाधड़ शासकीय भूमियों पर पक्के मकान निर्माण हो रहे हैं। इसकी जानकारी शासकीय विभागों के अधिकारियों को पूरी तरह है। लेकिन एक-दूसरे पर अधिकार क्षेत्र की बात कहकर अपने कर्तव्य का पालन कर लेते हैं। ऐसे ही लापरवाह अधिकारियों के चलते कोटापारा, डेम साईड, गंगरेल, शकरवारा, मोहलई, अछोटा, मथुराडीह क्षेत्र में शहर के धनाढ्य व्यक्तियों को बहुत बड़े भूभाग को अवैध कब्जा कर उसमें निर्माण करा लिया गया है। इस मामले को लेकर इस प्रतिनिधि ने संबंधित क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रहे अतिक्रमण एवं इसमें शासकीय भूमियों पर कब्जा को लेकर जब जानकारी चाही तो एक विभाग कहता है कि यह हमारा क्षेत्र नहीं है, यह फलाना विभाग का दायित्व है। अगले विभाग से संपर्क किया जाता है तो वह अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की बात बताकर पल्ला झाड़ लेता है। इसी तरह के अधिकार क्षेत्र की बातें कहकर अतिक्रमणकारियों को पूरी तरह छूट मिल गई है और वे प्रशासन के नाक के नीचे बेशकीमती भूमियों में बड़े-बड़े मकान बना लिये हैं। मुख्य बिंदु यह है कि जनगणना के समय इन व्यक्तियों ने जनगणना दल को अपना मालिकाना हक बताते हुए उक्त भूमि का अधिकार प्राप्त भी कर लिया है। वर्तमान समय में राजस्व विभाग के अधिकारियों के लापरवाही के चलते गंगरेल स्थित खतरे का निशान वाले क्षेत्र में नवनिर्माणाधीन रिसॉर्ट पर भी अभी तक राजस्व विभाग आंख मूंदकर बैठे हुए हैं। रविशंकर सागर परियोजना गंगरेल निर्माण के समय वर्ष 1980 में महानदी उफान पर आई थी और बाढ़ की चपेट में सैकड़ों

लोग बेघरबार हो गये थे। दुकान, मकान, मवेशी तक बह गये थे। इसे देखते हुए बांध संभाग क्रमांक 1 के तत्कालीन कार्यपालन अभियंता ओ पी राठी ने बाढ़ के बाद ऐसे क्षेत्रों का निरीक्षण किया और संबंधित क्षेत्रों में दस-दस फुट के बोर्ड लगाकर चेतावनी लिखी गई कि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का मकान, दुकान का निर्माण नहीं किया जाये। यह क्षेत्र खतरे का है और यह क्षेत्र में आज भी उक्त बोर्ड लगे हुए हैं। हालांकि यह बोर्ड के देखरेख के अभाव में जंग लग चुका है। लेकिन लिखा हुआ आज भी स्थल पर मौजूद है। खतरे के निशान अर्थात लाल कालम वाला क्षेत्र घोषित इस ईलाके में निर्वाचित पूर्व जनप्रतिनिधि द्वारा रिसॉर्ट का निर्माण धड़ल्ले से कराया जा रहा है। रेत नदी से निकाली जा रही है, और यह कार्य इतना तेजी से चल रहा है कि इसे कोई रोकने वाला नहीं है। यही जनप्रतिनिधि प्रदेश के एक दबंग मंत्री को शाष्टांग प्रणाम करते हुए बनाये गये वीडियो को दिखाकर जिले के कुछ अधिकारियों पर अनावश्यक दबाव बनाया हुआ है और स्वार्थपूर्ति में लीन है। यही वजह है कि राजस्व अमला खतरे के निशान में बनने वाले नवनिर्माणाधीन रिसॉर्ट में कार्यवाही करने में अपनी असमर्थता जता रहे हैं। जागरूक लोगों का कहना है कि शासकीय संपत्ति की सुरक्षा में यह नहीं देखा जाता कि वह क्षेत्र किस विभाग का है और ऐसे लोगों पर प्रशासन से अनुमति लेकर उस पर कार्यवाही किया जाना नितांत आवश्यक है। बताया जाता है कि जिले के विभिन्न विभागों के अधीन आने वाले बेशकीमती भूमियों पर धड़ाधड़ बड़े-बड़े मकान, दुकान बनाये जा रहे हैं। नियम विरूद्ध ऐसे निर्माण कार्यों पर एक-दूसरे विभाग पर पल्ला झाड़ने के कारण अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का भी कहना है कि ऐसे निर्माण कार्य आने वाले समय में जिला प्रशासन के समक्ष एक चुनौति होंगे। इस पर तत्काल कार्यवाही होनी चाहिये। लेकिन दुर्भाग्य है कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा शासकीय भूमि को संरक्षित, सुरक्षित करने के निर्देश के बाद भी संबंधित विभाग अपने दायित्वों से मुंह मोड़ रहा है। इसे लेकर संवेदनशील कलेक्टर अबिनाश मिश्रा से लोगों ने मांग की है कि जिस तरह अन्य अतिक्रमणकारियों पर जिले में कार्यवाही की गई है, उसी तरह ऐसे शासकीय भूमियों पर अतिक्रमण करने वालों, रिसॉर्ट बनाने वालों के ऊपर भी कार्यवाही होनी चाहिये। चूंकि यह क्षेत्र लाल कालम क्षेत्र कहलाता है जिसमें 1980 के बाद से कोई निर्माण कार्य इसी कारण नहीं हुआ कि जब जब महानदी उफान में आई है, तब-तब ऐसे क्षेत्र उसकी चपेट में आये हैं। भविष्य में कोई अप्रिय घटना न घटे, इसलिये इस पर फौरी कार्यवाही होनी चाहिये। यहां यह बताना जरूरी है कि वन समिति के एक सदस्य द्वारा अपने पुराने मकान को बेचकर फीडर केनॉल क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत शासकीय भूमि में मकान बनाये जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। यदि वन, राजस्व एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारी ऐसे निर्माण कार्यों को लेकर सजग रहें तो शायद ऐसे अतिक्रमण की पुनरावृत्ति नहीं हो पायेगी।

पं.रविशंकर सागर परियोजना गंगरेल बांध के डेंजर जोन के शासकीय भूमि पर बन रहे अवैध रिसॉर्ट निर्माण मामले को लेकर धमतरी एसडीएम पीयूष तिवारी से संपर्क कर उनका पक्ष लिये जाने पर उन्होंने कहा कि आपके द्वारा यह मामला संज्ञान में लाया गया है, मैं तत्काल संबंधित क्षेत्र के पटवारी से उक्त निर्माण कार्य की जानकारी लेता हूं, तत्पश्चात उचित कार्यवाही की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

झरियापाली से चोरी गई मोटर साइकिल के साथ आरोपी गिरफ्तार

रायुपर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना घरघोड़ा पुलिस ने ग्राम झरियापाली में हुई बाइक चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर सफल खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। कल दिनांक 06.06.2026 को प्रार्थी रूपचंद राठिया पिता चमरा राठिया, उम्र 62 वर्ष, निवासी ग्राम झरियापाली द्वारा थाना घरघोड़ा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 20 मई 2026 की रात उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त-13ञ्च-6887 को घर के आंगन में खड़ा किया था। अगले दिन सुबह उठने पर मोटरसाइकिल अपने स्थान पर नहीं मिली। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा वाहन चोरी कर ले जाने की सूचना पर थाना घरघोड़ा में अपराध क्रमांक 189/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक कुमार गौरव साहू द्वारा सक्रिय मुखबिर तंत्र के माध्यम से जानकारी एकत्रित की गई। विवेचना के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि चोरी की मोटरसाइकिल लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम झगरपुर निवासी कार्तिक राठिया के पास है। सूचना मिलते ही घरघोड़ा पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम झरियापाली चौक के पास घेराबंदी कर संदेही कार्तिक राठिया को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बाइक चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी कार्तिक राठिया पिता टीकाराम राठिया, उम्र 46 वर्ष, निवासी ग्राम झगरपुर, थाना लैलूंगा, जिला रायगढ़ के मेमोरेंडम पर चोरी गई मोटरसाइकिल क्रमांक -6887, जिसकी अनुमानित कीमत 70,000 रुपये है, बरामद कर जब्त की गई। आरोपी को चोरी के अपराध में विधिवत गिरफ्तार कर आज न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक कुमार गौरव साहू, प्रधान आरक्षक अरविंद पटनायक एवं आरक्षक हरिश पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खरीफ सीज़न के लिए समिति केंद्रों में उर्वरक वितरण से किसानों को राहत

रायपुर। राज्य शासन की किसान हितैषी पहल और कृषि विभाग की सतत निगरानी के परिणामस्वरूप किसानों को खरीफसीजन के लिए आवश्यक उर्वरकों की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय पर खाद उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे खेती-किसानी की तैयारियों को गति मिली है। जिले के विकासखंड अभनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत भेलवाडीह के किसान अर्जुन यादव ने उर्वरक वितरण व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें समिति केंद्र में बिना किसी परेशानी के आवश्यक खाद उपलब्ध हो गया। उन्होंने कहा कि समिति पहुंचने पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनका परमिट तत्काल जारी किया गया तथा आवश्यक उर्वरक भी आसानी से प्राप्त हो गया। किसान अर्जुन यादव ने बताया कि वे 4 एकड़ कृषि भूमि पर खेती कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि समिति से उन्हें खेती की आवश्यकता के अनुसार 4 बोरी डीएपी, 4 बोरी यूरिया खाद प्राप्त हुआ है। समय पर उर्वरक उपलब्ध होने से फसल प्रबंधन में सुविधा होगी और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था के तहत समिति केंद्र में उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा। पारदर्शी और सुव्यवस्थित वितरण प्रणाली से किसानों का समय बच रहा है तथा खेती की तैयारियां समय पर पूरी हो पा रही हैं। यादव ने कहा कि किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर की गई व्यवस्थाओं से खेती-किसानी के कार्यों में काफी सुविधा हुई है। राज्य शासन द्वारा किसानों को समय पर कृषि आदान उपलब्ध कराने के प्रयासों का सीधा लाभ ग्रामीण अंचलों के किसानों को मिल रहा है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव का बस्तर में कार्यों के निरीक्षण का तीसरा दिन

रायपुर। बस्तर संभाग में कार्यों के निरीक्षण और उनकी प्रगति की समीक्षा के लिए निकले उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज तीसरे दिन दंतेवाड़ा जिले में कॉलेज भवन, जल जीवन मिशन और स्वच्छता दीदियों के कार्यों को देखा?। उन्होंने गीदम के पास जावंगा शासकीय महाविद्यालय के नए भवन के निर्माण कार्य का अवलोकन किया। 4 करोड़ 66 लाख रुपए की लागत से इस सर्वसुविधायुक्त कॉलेज भवन का निर्माण किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री साव ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार को कार्यों में तेजी लाकर भवन का काम जल्दी पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस भवन में जितनी जल्दी हो सके, कॉलेज प्रारंभ होना चाहिए। इससे दंतेवाड़ा के बच्चों को अच्छी गुणवत्ता का सर्वसुविधायुक्त कालेज मिलेगा। साव ने ग्राम टेकनार में जल जीवन मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने दो घरों में जाकर नल से जल की आपूर्ति भी देखी। वे वहां जल अर्पण कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने ग्राम पंचायत और जनभागीदारी के माध्यम से नल जल योजना के संचालन-संधारण के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया। साव ने दंतेवाड़ा नगर पालिका में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का संचालन देखा। उन्होंने मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (स्क्रैप) पहुंचकर स्वच्छता दीदियों के कार्यों को देखा और उनके काम के बारे में जानकारी ली। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और उसके सेग्रीगेशन के बारे में भी पूछा। श्री साव ने स्वच्छता दीदियों से मिलकर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। विधायक श्री चैतराम अटामी, कलेक्टर श्री देवेश ध्रुव और दंतेवाड़ा नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता भी इस दौरान मौजूद थीं।

कटहल के नीचे छिपाकर हो रही थी 63 लाख के गांजे की तस्करी, पुलिस ने दो तस्करों को दबोचा

रायपुर। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत महासमुंद पुलिस और एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कटहल की खेप के नीचे छिपाकर उत्तर प्रदेश ले जाए जा रहे 125.700 किलोग्राम गांजा को जब्त करते हुए दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कीमत 62 लाख 85 हजार रुपये आंकी गई है, जबकि वाहन और अन्य सामान सहित कुल जब्त संपत्ति का मूल्य करीब 70 लाख 93 हजार रुपये बताया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन में कटहल लोड कर उसके नीचे गांजा छिपाकर ओडिशा से उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर थाना सिंघोड़ा क्षेत्र के रेहटीखोल चेक पोस्ट पर सघन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर तलाशी ली गई।

26/11 के अनसुने नायकों को सलाम

मुख्यमंत्री साय भारत भाग्य विधाता की प्री-लॉन्च स्क्रीनिंग में हुए शामिल

- सेवा, साहस और समर्पण की कहानी है 'भारत भाग्य विधाता-साय
- 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान सेवा और साहस का परिचय देने वाले स्वास्थ्यकर्मियों की अनकही कहानी को समर्पित है फिल्म

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के जोरा मॉल में आयोजित 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म की प्री-लॉन्च स्क्रीनिंग सेरेमनी में शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय एवं परिजन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रख्यात अभिनेत्री एवं सांसद सुश्री कंगना रनौत, फिल्म के निर्देशक श्री मनोज तापड़िया सहित फिल्म जगत से जुड़े कलाकार, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए बड़े सौभाग्य का विषय है कि सुश्री कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की स्क्रीनिंग प्रदेश में आयोजित हो रही है और इस अवसर पर वे स्वयं यहां पधारी हैं। उन्होंने कहा कि माता कौशल्या की जन्मभूमि और भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में सुश्री कंगना रनौत का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन है। मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों, तकनीकी विशेषज्ञों और पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो उन अनसुने और अनदेखे नायकों को सम्मान देती है, जिनके असाधारण योगदान को अक्सर पर्याप्त पहचान नहीं मिल पाती। उन्होंने कहा कि आज इस स्क्रीनिंग में सुश्री कंगना रनौत

और उनकी टीम के साथ स्वास्थ्य विभाग की बहनों की उपस्थिति इस फिल्म की भावना को और अधिक सार्थक बनाती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह गर्व की बात है कि फिल्म के निर्देशक श्री मनोज तापड़िया छत्तीसगढ़ की माटी के पुत्र हैं। उन्होंने यहां जन्म लिया, यहीं पले-बढ़े और लंबे समय तक मुंबई में रहकर इस महत्वपूर्ण विषय पर आधारित फिल्म की कहानी लिखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की गई, जिसमें अनेक लोगों की जान गई। उस कठिन समय में अस्पतालों में कार्यरत महिला नर्सों, डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना सैकड़ों लोगों की जान बचाई और घायलों की सेवा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे अनेक योद्धा होते हैं, जिनकी कहानियां समाज के सामने नहीं आ पातीं। सुश्री कंगना रनौत ने स्वयं नर्स की भूमिका निभाकर उन स्वास्थ्यकर्मियों के साहस, सेवा और समर्पण की कहानी देश के सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई ऐसे लोग होते हैं, जो बड़े कार्य कर जाते हैं, लेकिन उन्हें उचित पहचान नहीं मिल पाती। यह फिल्म ऐसे ही लोगों को समर्पित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह भी अत्यंत सौभाग्य का विषय है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस फिल्म को 'भारत भाग्य विधाता' नाम प्रदान किया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से सुश्री कंगना रनौत, उनकी पूरी टीम और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सभी कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अभिनेत्री एवं सांसद सुश्री कंगना रनौत ने कहा कि फिल्म के निर्देशक श्री मनोज तापड़िया छत्तीसगढ़ को धरती पर जन्मे हैं, यहीं पले-बढ़े हैं और इस प्रदेश के बेटे हैं।

महतारी वंदन योजनाः नारायणपुर की सनबती के स्वावलंबन और सम्मान की नई कहानी....

- आर्थिक संबल से बढ़ा आत्मविश्वास, अब खुद ले रहीं परिवार की खुशहाली के फैसले

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना आज प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में खुशहाली और सकारात्मक बदलाव का सबसे बड़ा माध्यम बन चुकी है। नारायणपुर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम आमगांव की रहने वाली श्रीमती सनबत्ती के लिए यह योजना सिर्फ एक वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नई उड़ान है। आज सनबती न केवल अपने परिवार को आर्थिक संबल दे रही हैं, बल्कि समाज में एक सशक्त महिला के रूप में अपनी पहचान भी बना रही हैं। श्रीमती सनबती अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताती हैं कि पहले परिवार की सीमित आय के कारण घर चलाना एक बेहद चुनौतीपूर्ण काम था। वे कहती हैं कि पहले हर महीने इस बात की चिंता सताती थी कि घर का राशन कैसे आएगा, बच्चों की पढ़ाई का खर्च कैसे निकलेगा और दैनिक जरूरतें कैसे पूरी होंगी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण छोटी-छोटी खुशियों और जरूरतों के लिए भी दूसरों का मुंह ताकना पड़ता था। सीमित संसाधनों के बीच परिवार की जिम्मेदारियों को निभाना उनके लिए एक

मानसिक और आर्थिक बोझ जैसा था, जिसने उनके आत्मविश्वास को भी कम कर दिया था। ऐसे मुश्किल समय में छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना सनबती के जीवन में उम्मीद की एक नई किरण बनकर आई। योजना के तहत हर महीने उनके बैंक खाते में सीधे ट्रांसफर होने वाली 1000 रुपए की सम्मान राशि ने उनके घर की तस्वीर बदल दी। अब सनबती इस राशि का उपयोग बेहद सोच-समझकर और योजनाबद्ध तरीके से कर रही हैं। ?घरेलू जरूरतों में मदद जैसे राशन और घर की आवश्यक सामग्रियों की जरूरत पूरी हो जाती है। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और उनकी छोटी-बड़ी जरूरतों को बिना किसी रुकावट के पूरा करना। अब आपातकालीन या दैनिक खर्चों के लिए उन्हें किसी के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ती। सनबती बेहद गर्व के साथ बताती हैं कि इस योजना ने उन्हें केवल आर्थिक रूप से ही मजबूत नहीं किया, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त बनाया है। अब वे परिवार के आर्थिक और घरेलू निर्णयों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उनके भीतर यह विश्वास जगा है कि वे भी अपने परिवार को सहारा दे सकती हैं।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रहा सुशासन वन मंत्री केदार कश्यप

- समाज के हर परिवार को पक्का आवास, खाद्यान्न और बुनियादी सुविधाएं के लिए सरकार प्रतिबद्ध

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और सुशासन के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए नारायणपुर जिले में विकास की नई इबारत लिखी गई है। जिले के ग्राम हलामी मुंजमेटा में आयोजित भव्य सुशासन तिहार एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप तथा राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। इस गरिमामयी अवसर पर मंत्रियों ने क्षेत्रवासियों को 6 करोड़ 70 लाख 78 हजार रुपये की लागत वाले विभिन्न विकास व निर्माण कार्यों की बड़ी सौगात देते हुए उनका लोकार्पण और भूमिपूजन किया। ग्रामीण अंचलों में कनेक्टिविटी और सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। इसमें मुख्य रूप से पल्ली-छोटेडोंगर-ओरछा मार्ग में माड़िन नाला में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 4.85 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई, शामिल है। ?ग्राम बावड़ी व करलखा में पुलिया, नाली तथा सीसी सड़क निर्माण के लिए क्रमशः 4.19 लाख, 19.39 लाख और 16.36 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन हुआ। सुलेंगा (गुरिया व धौड़ई) में खाद्यान्न भंडारण कक्ष के लिए 13.76 लाख रुपए तथा बालक आश्रम में अतिरिक्त शयन कक्ष के लिए 19.87 लाख रुपए के निर्माण की मंजूरी दी गई। भाटपाल एवं नारायणपुर में पूर्व पुलिस कैंप भवन को 44.96 लाख रुपए की लागत से सर्वसुविधायुक्त आश्रम शाला के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही, जिला पशु चिकित्सालय भवन हेतु 66.48 लाख रुपए की स्वीकृत किए गए, शामिल हैं। इस अवसर पर वन एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि नारायणपुर जिले के समग्र विकास के लिए लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है, जिससे सड़क और पुल-पुलिया जैसी आधारभूत संरचनाओं का कायाकल्प हो रहा है। ?श्री कश्यप ने कार्यक्रम के दौरान लखपति दीदियों से सीधा संवाद कर उनके आर्थिक स्वावलंबन की सराहना की और अधिकारियों को मानसून से पहले सभी स्कूल भवनों की मरम्मत पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना से बदली कृष्णदेव की किस्मत

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत शुरू की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य असंगठित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को वित्तीय, तकनीकी और व्यावसायिक सहायता प्रदान करके उन्हें संगठित क्षेत्र में लाना और सशक्त बनाना है। बस्तर अंचल अब केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि ग्रामीण युवाओं के उद्यमशील सपनों और आत्मनिर्भरता के नए प्रतिमानों के लिए भी जाना जा रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन

योजना यहाँ के ग्रामीण युवाओं और स्थानीय उद्यमियों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का एक सबसे मजबूत और विश्वसनीय माध्यम बनकर उभरी है। बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पोटानार निवासी श्री कृष्णदेव मिश्रा इस जमीनी बदलाव की एक ऐसी प्रेरणादायक मिसाल हैं, जिन्होंने न केवल सरकारी योजना का लाभ उठाकर अपना स्वरोजगार स्थापित किया, बल्कि आज पूरे क्षेत्र में एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। कृष्णदेव ने बताया कि पिछले वर्ष उन्हें प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजनान्तर्गत 15 लाख रुपये की महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता और शासकीय अनुदान प्राप्त हुआ था। इस पूंजी ने उनके व्यावसायिक सपनों को पंख देने का काम किया। उन्होंने इस राशि का सदुपयोग किया और क्षेत्र में एक आधुनिक बेकरी एवं स्वीट्स निर्माण इकाई स्थापित की। आज इस इकाई में विभिन्न प्रकार के बेकरी उत्पाद जैसे ब्रेड, बिस्कुट, केक और पारंपरिक व आधुनिक मिठाइयाँ पूरी स्वच्छता और गुणवत्ता के साथ तैयार की जा रही हैं।

शादी का झांसा देकर युवती से करता रहा दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्र की एक युवती से संपर्क बढ़ाने के साथ उसे सपने दिखाते हुए दुष्कर्म करने वाले आरोपी राहुल यादव को बालको नगर पुलिस ने आज सुबह गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लगातार लोकेशन बदल रहा था और पुलिस उसे ट्रेस करने में लगी थी। आज उसे मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने के साथ जेल भेजने की तैयारी है।बालको नगर पुलिस के द्वारा शांति नगर क्षेत्र में एक ठिकाने पर दबिश देने के साथ राहुल यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। देर रात उसके यहां एक स्थान पर पहुंचने का पता चला था। इसी के साथ निगरानी तेज की गई। सहायक उप निरीक्षक अजय सिंह ने बताया कि आरोपी राहुल यादव के द्वारा वर्ष 2025 में उर्जा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाली एक युवती को अपने जाल में फंसा गया।

स्वच्छता, पेयजल, सड़क, अधोसंरचना और नागरिक सुविधाएं बढ़ाने प्रमुखता से किये जा रहे काम

उपमुख्यमंत्री ने 7.19 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

- नगर पालिका की मांग पर 3.72 करोड़ के कार्यों को दी मंजूरी, नए कार्यों के लिए भी 2 करोड़ देने की घोषणा की

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने अपने चार दिवसीय बस्तर प्रवास के तीसरे दिन किरंदुल में 7 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 4 करोड़ 14 लाख 85 हजार रुपये के कार्यों का लोकार्पण और 3 करोड़ 4 लाख 9 हजार रुपये के कार्यों के भूमिपूजन शामिल हैं। श्री साव ने आक्सीजोन में बस्तर के टाइगर ब्वाय चेंदरू की प्रतिमा का अनावरण भी किया। विधायक श्री चैतराम अटामी और छत्तीसगढ़ तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने किरंदुल में जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) से 3 करोड़ 26 लाख रुपये से अधिक की लागत से विकसित ऑक्सीजोन पार्क का लोकार्पण किया। उन्होंने 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत खरीदी गई बैक हो लोडर मशीन, सक्शन मशीन सह मेला टैंकर, ट्रैक्टर इंजन एवं पानी टैंकर को नगर पालिका को सौंपा। उन्होंने कहा कि इन संसाधनों से नगर की स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने ऑक्सीजोन पार्क की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल एक पार्क नहीं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और मनोरंजन का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। श्री साव ने किरंदुल में नाला निर्माण, मुक्तिधाम निर्माण तथा अधोसंरचना मद से विभिन्न वार्डों में सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से नगर की आधारभूत सुविधाओं में व्यापक

सुधार होगा तथा नागरिकों को बेहतर आवागमन और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध होगा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में बस पार्किंग एवं स्टेज-स्टैंड के पास सीसी रोड तथा विद्युत व्यवस्था के लिए 1 करोड़ 58 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने सीसी रोड के लिए 27 लाख रुपये की भी घोषणा की। उन्होंने नगर पालिका की मांग पर 3 करोड़ 72 लाख रुपये के प्रस्तावित विकास कार्यों को स्वीकृत करने के साथ ही नए कार्यों के लिए अलग से दो करोड़ रुपये देने की भी घोषणा की। उप मुख्यमंत्री ने मलंगीर जलप्रपात से किरंदुल और बचेली में पेयजल आपूर्ति की योजना की संभावनाओं पर भी सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। क्षेत्रीय विधायक, जनप्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर तकनीकी एवं व्यवहारिक पहलुओं का परीक्षण कर स्थायी व प्रभावी पेयजल व्यवस्था विकसित करने की कार्ययोजना बनाई जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में किरंदुल नगर पालिका में 16 करोड़ 43 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत एवं संचालित किए गए हैं। राज्य सरकार नगरों के सुनियोजित विकास के लिए सिटी डेवलपमेंट प्लान के अनुरूप कार्य कर रही है। स्वच्छता, पेयजल, सड़क, अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने लगातार काम किये जा रहे हैं उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है। इसी उद्देश्य से वे लगातार बस्तर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र में सड़क, पेयजल एवं शहरी अधोसंरचना के विकास को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है।

संपादकीय

1998 के बाद सबसे बुरे दौर से गुजर रही ममता की टीएमसी?

पश्चिम बंगाल चुनाव में हार के बाद टीएमसी अंदरूनी संकट से जूझ रही है। ममता बनर्जी पार्टी को एकजुट रखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन विधायकों की बैठक में कम उपस्थिति, निष्कासन और बगावत के दावों ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कार्यकर्ताओं में बेचैनी और नेताओं की नाराजगी के बीच पार्टी की एकजुटता पर सवाल उठ रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद से टीएमसी लगातार परेशानियों में घिरी हुई है। सत्ता से दूर होते ही पार्टी के भीतर का असंतोष सतह पर आ गया है। और अब जिस तरह की खींचतान चल रही है, उसे देखते हुए ऐसी अटकलें लग रही हैं कि क्या पार्टी टूट जाएगी। ममता बनर्जी की छवि जुझारू नेता की है, जिन्होंने हर सियासी लड़ाई खुद जमीन पर उतर कर लड़ी। 34 साल पुरानी लेफ्ट सरकार के खिलाफ उपजे असंतोष को आवाज देकर 2011 में वह सीएम पद तक पहुंची थीं। 15 साल बाद जब वह विपक्ष में हैं, तो फिर से सड़क की राजनीति कर रही हैं। चुनाव बाद हिंसा के विरोध में मंगलवार को उन्होंने कोलकाता में धरना दिया। उन्होंने भाजपा पर चुनावों में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। वह लड़ते हुए दिखना चाहती हैं, ताकि पार्टी को हार की हताशा से निकाल सकें, लेकिन इस बार मुश्किल बड़ी दिख रही है। 1998 में अपनी स्थापना के बाद से टीएमसी शायद सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही है। पार्टी के भीतर एकजुटता को लेकर सवाल हैं। ममता ने अपने विधायकों की बैठक बुलाई थी, जिसमें 80 में से केवल 20 पहुंचे। फिर पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो विधायकों को निष्कासित कर दिया गया। इन्हीं विधायकों ने फर्जी हस्ताक्षर मामले में शिकायत की है, जो अगर सही पाई जाती है तो मुश्किल और बढ़ेगी। इस बीच निलंबित प्रवक्ता रिजू दत्ता का दावा है कि 50 विधायक टीएमसी से टूट कर पार्टी सिंबल पर दावा कर सकते हैं। इधर देखा जा रहा है कि चुनावी हार के बाद पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं को एकजुट रखना मुश्किल हो रहा है। तमिलनाडु में भी परिणाम के बाद एआईएडीएमके में बगावत की खबरें आई। महाराष्ट्र में कुछ साल पहले शिवसेना में बड़ी टूट हुई थी। और बंगाल में तो वैसे भी सत्ताधारी दल का पूरी व्यवस्था पर कब्जा रहता है। इसमें विपक्ष के लिए शायद ही गुंजाइश बचती हो। लेफ्ट के शासन में टीएमसी इसी संकट से जूझ रही थी और जब टीएमसी आई, तो भाजपा ने इसी तरह की परेशानी उठाई। इसके अलावा राजनीतिक हिंसा एक बड़ा मुद्दा है ही, जिसकी वजह से निचले स्तर पर कार्यकर्ताओं में डर और बेचैनी होती देखना होगा कि इसका क्या असर होता है।

दवाओं, ई-कॉमर्स, डायनामिक प्राइसिंग, चिकित्सा उपकरणों, सेवा क्षेत्र और मूल्य नियंत्रण नीति जैसे क्षेत्रों में कीमतें आखिर कैसे तय होती हैं? यह लेख मूल्य निर्धारण की मौजूदा व्यवस्था, मुनाफे के गणित और उपभोक्ता हितों पर पड़ रहे उसके प्रभाव की विस्तृत पड़ताल करता है। भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश की विशाल जनसंख्या, बढ़ती क्रय क्षमता, डिजिटल विस्तार और उपभोक्तावादी संस्कृति ने भारतीय खुदरा बाजार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। अनुमान है कि वर्ष 2035 तक यह बाजार दोगुनी क्षमता हासिल कर लेगा।

बाजार में कीमतें कौन करता है तय? एमआरपी के पीछे छिपे फार्मूले और मुनाफे की सच्चाई

(विनोद के शाह)

दुनिया की सभी बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की निगाहें भारत के इसी विशाल उपभोक्ता बाजार पर टिकी हुई हैं। इसके साथ देश में ऑनलाइन व्यापार का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। प्रतिवर्ष लगभग 19 फीसद की दर से बढ़ता ई-वाणिज्य क्षेत्र आज भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। वर्ष 2024 में भारत ने अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ई-वाणिज्य बाजार बनने का दर्जा हासिल किया। पिछले वर्ष देश का ऑनलाइन खुदरा व्यापार लगभग 65 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें करीब तीस करोड़ सक्रिय उपभोक्ता रहे हैं। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक यह आंकड़ा 190 अरब डॉलर का होगा।देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग दस फीसद का योगदान देने वाला खुदरा व्यापार न केवल अर्थव्यवस्था की गति तय करता है, बल्कि महंगाई और मुद्रास्फीति के आंकड़ों को भी सीधे प्रभावित करता है। विडंबना यह है कि इतने विशाल और प्रभावशाली बाजार में वस्तुओं के मूल्य निर्धारण पर सरकार का कोई प्रभावी नियंत्रण दिखाई नहीं देता। बाजार में अधिकांश वस्तुओं की कीमत निर्माता स्वयं तय करता है और उपभोक्ता के पास उसे स्वीकार करने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। वर्ष 2013 में बाजार आधारित मूल्य निर्धारण व्यवस्था को व्यापक रूप से लागू किया गया। सरकार ने वस्तुओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य अंकित करना अनिवार्य तो कर दिया, लेकिन यह तय करने की कोई वैज्ञानिक और पारदर्शी प्रक्रिया निर्धारित नहीं की कि किसी वस्तु की कीमत किस आधार पर तय होगी।

परिणामस्वरूप मूल्य निर्धारण का पूरा अधिकार निर्माता कंपनियों के हाथों में चला गया। निर्माता उत्पादन लागत, बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, विज्ञापन खर्च, वितरण शृंखला, कमीशन और अपेक्षित मुनाफे को जोड़कर अपनी सुविधा अनुसार अधिकतम खुदरा मूल्य तय कर देते हैं। 'लीगल मेट्रोलॉजी अधिनियम' और 'पैकेज्ड कमोडिटी नियम' केवल यह सुनिश्चित करते हैं कि अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक कीमत वसूलना अपराध माना जाए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि यह मूल्य तय करने का वास्तविक आधार क्या होगा।

इसी सबसे बड़ी खामी ने उपभोक्ता संरक्षण की भारतीय अवधारणा को कमजोर किया है। स्थिति यह है कि ग्राहक को केवल पैकेट पर अंकित कीमत दिखाई जाती है, जबकि उस वस्तु की वास्तविक उत्पादन लागत उससे कई गुना कम हो सकती है। उपभोक्ता संरक्षण कानून ग्राहक को केवल मोलभाव का अधिकार देता है, लेकिन जब ग्राहक को वस्तु की वास्तविक लागत ही ज्ञात नहीं हो, तब मोलभाव का औचित्य मात्र औपचारिकता ही है।

देश की अधिकतम खुदरा मूल्य व्यवस्था उपभोक्ता हित के बजाय कंपनियों और मुनाफाखोर व्यापारिक तंत्र को संरक्षित करती प्रतीत होती है। अनेक उत्पादों में अधिकतम खुदरा मूल्य उत्पादन लागत से कई गुना अधिक रखा जाता है। जहां प्रतिस्पर्धा कम होती है या विकल्प सीमित होते हैं, वहां निर्माता उपभोक्ताओं से मनमाना मूल्य वसूलते हैं। किसी क्रीम, फेसवॉश या कॉस्मेटिक उत्पाद की कीमत उसके वास्तविक गुणों से अधिक उसके विज्ञापन पर निर्भर करती है।

करोड़ों रुपए के प्रचार अभियान उपभोक्ताओं की मानसिकता को प्रभावित करते हैं और उत्पाद का मूल्य कृत्रिम रूप से कई गुना बढ़ा दिया जाता है। दवा बाजार की स्थिति भी चिंताजनक है। सरकार ने कभी सस्ती चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा दिया था, लेकिन आज वही क्षेत्र मूल्य निर्धारण की सबसे बड़ी विसंगति का प्रतीक बन गया है।

यह एक अपवाद नहीं, बल्कि भारतीय दवा बाजार की वास्तविकता है। मरीज चिकित्सक के लिखे पर्चे के साथ पहली दुकान पर पहुंचता है, तो उसे वह जेनेरिक दवा अधिकतम खुदरा मूल्य या मामूली छूट के साथ दी जाती है। मगर वही मरीज जब अलग-अलग दुकानों पर कीमत की जानकारी लेता

है, तो उसी ब्रांड की वही जेनेरिक दवा दस गुना कम कीमत पर भी उपलब्ध हो जाती है।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण सूची में केवल कुछ गंभीर बीमारियों की दवाओं को ही मूल्य नियंत्रण के दायरे में रखा गया है। शेष दवाओं की कीमतें पूरी तरह कंपनियों और वितरकों की इच्छा पर निर्भर हैं। मरीजों से वसूली जाने वाली राशि में वास्तविक दवा लागत से अधिक कमीशन, ब्रांडिंग और व्यापारिक लाभ शामिल होते हैं। चिकित्सा उपकरणों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आंखों में लगाए जाने वाले लेंस, हृदय रोग में प्रयुक्त स्टेंट और अन्य चिकित्सा उपकरणों की कीमतों में भारी असमानता दिखाई देती है।

ऑनलाइन बाजार ने मूल्य निर्धारण की विसंगतियों को और अधिक जटिल बना दिया है। उपभोक्ता को आकर्षित करने के लिए 'एक के साथ एक मुफ्त', 'अविश्वसनीय छूट', 'क्रेडिट कार्ड ऑफर' और 'कैशबैक' जैसे प्रलोभनों का सहारा लिया जाता है। एक ही वस्तु अलग-अलग भुगतान माध्यमों पर अलग-अलग कीमतों में उपलब्ध कराई जाती है। यह व्यवस्था न केवल उपभोक्ता के साथ भेदभाव है, बल्कि उसे अतिरिक्त बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं से जुड़ने के लिए भी बाध्य करती है। विदेशी ब्रांडों को भारतीय बाजार में कई गुना अधिक कीमत पर बेचा जाता है। विडंबना यह है कि खुले बाजार में इन्हीं ब्रांडों के नाम पर नकली उत्पादों की भरमार है। महामारी से लेकर युद्ध से उपजे संकट तक में बाजार में मुनाफाखोरी बढ़ती है। मूल्य नियंत्रण की प्रभावी नीति के अभाव में उपभोक्ता महंगाई का शिकार होता रहा है।

सेवा क्षेत्र में भी यही स्थिति दिखाई देती है। विमान कंपनियां मांग के अनुसार टिकटों की कीमतें बदलती रहती हैं। बीमा कंपनियां जोखिम और बाजार परिस्थिति के आधार पर प्रीमियम तय करती हैं। होटल, परिवहन और डिजिटल सेवाओं में भी 'डायनामिक प्राइसिंग' के नाम पर उपभोक्ता से अधिकतम वसूली की जाती है। इससे साफ है कि देश में बढ़ती महंगाई के पीछे केवल उत्पादन लागत में वृद्धि जिम्मेदार नहीं है, बल्कि वस्तुओं और सेवाओं का अनियंत्रित तथा मनमाना मूल्य निर्धारण भी एक बड़ा कारण है।

यह समय की मांग है कि सरकार मूल्य निर्धारण में लागत आधारित पारदर्शी नीति तैयार करे। किसी भी वस्तु का अधिकतम विक्रय मूल्य उसके वास्तविक उत्पादन खर्च, कर, परिवहन और सीमित लाभांश के आधार पर तय होना चाहिए, न कि केवल बाजार की मांग और उपभोक्ता की मजबूरी के आधार पर। देश में आवश्यक वस्तुओं, दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, शिक्षा सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के लिए स्वतंत्र मूल्य तय करने के वास्ते मूल्य निर्धारण आयोग का गठन किया जा सकता है। उपभोक्ता को यह जानने का अधिकार मिलना चाहिए कि जिस वस्तु के लिए वह भुगतान कर रहा है, उसकी वास्तविक लागत क्या है और उस पर कितना लाभ जोड़ा गया है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में बाजार का उद्देश्य केवल व्यापारिक लाभ नहीं, बल्कि उपभोक्ता के हितों की रक्षा करना भी होना चाहिए। (यह लेखक के अपने विचार है)

जिमखाना क्लब से खुली बहस- क्या लोकतंत्र में भी बची रहनी चाहिए 'खास' लोगों की दुनिया?

(राकेश सिन्हा)

क्लब को करोड़ों रुपए की वार्षिक आमदनी सदस्यों की विलासितापूर्ण गतिविधियों और सदस्यता शुल्क से होती है। पर इसी राजधानी में साढ़े सात सौ से अधिक झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में रह रहे लगभग अस्सी लाख गरीब और मेहनतकश की जरूरतों पर क्लब का ध्यान तक नहीं गया।

राजधानी दिल्ली के जिमखाना क्लब का अभिप्राय क्या है? इस प्रश्न का जन्म उस विवाद के गर्भ से हुआ है, जो केंद्र सरकार द्वारा जमीन खाली करने के आदेश से उपजा है। इसका निर्माण 1913 में अंग्रेजों ने किया था। उपनिवेश के संसाधनों को लूटना और यहां के लोगों के श्रम और संसाधनों से अपनी विलासिता के लिए क्लबों और भवनों का निर्माण करना वे अपना नैसर्गिक अधिकार मानते थे।

अंग्रेज अपनी प्रकृति से क्रूर और विलासी थे। जनरल डायर और लुटियंस जैसे दोनों ही प्रकार के लोग उपनिवेश को अपने तरीके से नियंत्रित और विकसित कर रहे थे। सत्ताईस एकड़ भूमि में खाने-पीने-खेलने का क्लब लुटियंस ने बनाया, तो छह साल बाद जनरल डायर ने गोलियों से सैकड़ों लोगों को अमृतसर के जलियांवाला बाग में भून डाला था।

स्वतंत्र भारत के लिए नैतिक धर्म था एक को (जलियांवाला बाग) स्मृति का हिस्सा बना लेना तो दूसरे (जिमखाना क्लब) को विस्मृत कर देना। पर ऐसा हुआ नहीं। आखिर सौ साल बाद राजग सरकार ने 2019 में जलियांवाला बाग को अपेक्षित स्वरूप दिया और साथ में लुटियंस की विरासत को विस्मृत करने का उपक्रम शुरू किया। जिमखाना क्लब धरोहर नहीं है, न हो सकता है। उपनिवेशवाद की हर कृति को धरोहर मानकर पूजा करना मानसिक गुलामी को बनाए रखना है।

फ्रैंज फैनन एक बड़े विचारक हैं। उन्होंने औपनिवेशिक संरचनाओं को गुलामी का जीवंत प्रतीक माना था। उन संरचनाओं को विस्मृत कर स्वदेशी योजना, मन और संदर्भ से नई रचना बनाना उपनिवेशवाद को पूरी तरह दफनाने के लिए आवश्यक है। नेहरूवादी व्यवस्था को क्वीन विक्टोरिया, किंग एडवर्ड जैसों की मूर्तियों को हटाने में डेढ़ दशक लग गए, तो वे जिमखाना पर क्यों गौर करते!

जिमखाना क्लब ने सांकेतिक तौर पर भी लोकहित में ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे इसको नैतिक सरोकारों से जोड़ा जा सके। क्लब ने स्वैच्छिक रूप से ऐसा करना मुनासिब नहीं समझा, क्योंकि इससे 'खास' और 'आम' के बीच का अंतर मिटने लगता है। लोकतंत्र को व्यक्तियों और संस्थाओं की नैतिक भागीदारी से स्थायित्व मिलता है। उसके अभाव में यह सिर्फ संरचनात्मक व्यवस्था बनकर रह जाती है।

क्लब को करोड़ों रुपए की वार्षिक आमदनी सदस्यों की विलासितापूर्ण गतिविधियों और सदस्यता शुल्क से होती है। पर इसी राजधानी में साढ़े सात सौ से अधिक झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में रह रहे लगभग अस्सी लाख गरीब और मेहनतकश की जरूरतों पर क्लब का ध्यान तक नहीं गया। वे संविधान के प्रावधानों के तहत विलासिता के विशेषाधिकार को बनाए रखना चाहते हैं।

मगर इसी संविधान की प्रस्तावना में 'समानता' का भी उल्लेख है। यह बात और है कि दशकों से ढोल की तरह इसका उपयोग शोर मचाने के लिए होता रहा है। 'समाजवादी प्रकार के समाज', 'गरीबी हटाओ' और 'लोकतांत्रिक समाजवाद' के नारों के बीच विलासिता और धन के विषम वितरण की संस्कृति फलती-फूलती रही। आम लोग न्यूनतम संसाधनों के मोहताज बने रहे और विशिष्ट लोग विलासिता को बनाए रखने के लिए व्यवस्था का उपयोग करते रहे। नवउदारवाद की जमीन ऐसे ही क्लबों और भोगवाद की संस्कृति से बनती है। कुछ भोगते हैं, शेष भुगतते हैं। स्वतंत्र भारत में भुखमरी, सम्मानपूर्वक जीवन जीने के साधनों से वंचित लोगों की बड़ी संख्या रही है। इसीलिए स्वतंत्रता के कई दशकों बाद दस करोड़ शौचालयों का निर्माण कराना पड़ा और भुखमरी की आशंका तथा संभावनाओं से निपटने के लिए इक्यासी करोड़ लोगों को सरकार निःशुल्क खाद्यान्न दे रही है। विषमता और विलासिता, दोनों के पास अपने तर्क होते हैं। उसमें संवेदनशीलता और सरोकार दोनों का कोई स्थान नहीं होता है। यह स्वकेंद्रित होता है, समाज-केंद्रित नहीं बन पाता है। जिस देश में जनजातीय समाज, ग्रामीण और शहरी गरीब परिश्रम से अपना अस्तित्व बचाए हुए हों, उसमें सार्वजनिक संपत्तियों का उपयोग खास बने रहने के लिए हो, यह अनैतिक और असंवैधानिक दोनों है। इसकी अनुभूति जिमखाना क्लब को जितनी जल्दी होगी, भारत की समृद्धि उतनी ही अधिक होगी। एक समृद्ध चेतना के लिए समृद्ध भवन और क्लब शायद आवश्यक नहीं होता है। (यह लेखक के अपने विचार है)

इलाज का 'मानक' ही पुरुष शरीर बन गया, तब पीछे छूट गई महिलाओं की सेहत

विश्व में महिलाओं की औसत आयु लगभग 73.8 वर्ष है, जो पुरुषों की औसत आयु करीब 68.4 वर्ष से अधिक है। फिर भी उनके जीवन का लगभग पच्चीस फीसद से अधिक समय खराब सेहत के साथ गुजरता है। दुनिया भर में व्यापक बदलाव हो रहे हैं। चिकित्सा विज्ञान ने असाध्य कही जाने वाली कई बीमारियों पर काबू पा लिया है। औसत आयु बढ़ी है और तकनीक ने इलाज को पहले से कहीं अधिक आधुनिक और आसान बना दिया है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में महिलाएं पहले की तुलना में दीर्घायु जीवन जी रही हैं। मगर यह भी सच्चाई है कि लंबी उम्र के बावजूद महिलाओं को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

(अमरपाल शर्मा)

संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन की हाल में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार करोड़ों महिलाएं आज भी ऐसी जिंदगी जी रही हैं, जिसमें दर्द है, उपेक्षा है, गलत इलाज है और एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था है, जो अब भी पुरुष शरीर को 'मानक' मान कर चलती है। दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं में प्रगति होने के बावजूद महिलाओं के लिए समान और संवेदनशील इलाज अब भी एक चुनौती है।

विश्व में महिलाओं की औसत आयु लगभग 73.8 वर्ष है, जो पुरुषों की औसत आयु करीब 68.4 वर्ष से अधिक है। फिर भी उनके जीवन का लगभग पच्चीस फीसद से अधिक समय खराब सेहत के साथ गुजरता है। यानी महिलाएं लंबे समय तक पुरानी बीमारियों और लगातार पीड़ा से त्रस्त रहती हैं। वे कई बार बिना इलाज या गलत निदान से भी जूझती हैं।

सवाल है कि आखिर महिलाओं के लिए अनुकूल और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं क्यों संभव नहीं हो पा रही हैं? क्यों महिलाओं और पुरुषों के लिए समान स्वास्थ्य सेवाएं विकसित नहीं की जा रही हैं? अगर इन सवालों का जवाब ईमानदारी से तलाशें, तो इस स्थिति के पीछे पितृसत्तात्मक सोच है, जिसमें महिलाओं को कमतर आंका जाता है और उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है।

शिक्षित और आर्थिक रूप से सक्षम महिलाएं भी इससे बच नहीं पा रहीं। वे लगातार चिकित्सा पूर्वाग्रहों का सामना करती हैं। कई बार उनकी पीड़ा को 'भावनात्मक', 'हार्मोन संबंधी' या सामान्य कह कर टाल दिया जाता है। यही कारण है कि महिलाओं की सेहत का सवाल अब केवल चिकित्सा का विषय नहीं रहा, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता का सवाल भी बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वास्थ्य व्यवस्था की अनेक संरचनाएं महिलाओं को केंद्र में रख कर नहीं बनाई गईं। इसे केवल अस्पतालों की कमी कह कर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, बल्कि यह उस सोच का परिणाम है जिसमें पुरुष शरीर को 'सामान्य' और महिला शरीर को 'विशेष परिस्थिति' मान लिया जाता है।

दुनिया भर में हृदय रोग महिलाओं की मौत की

सबसे बड़ी वजहों में शामिल है, लेकिन दिल के दौरे के जिन 'सामान्य' लक्षणों को चिकित्सा जगत लंबे समय से पहचानता रहा है, वे अधिकतर पुरुषों के अनुभवों पर आधारित रहे हैं। महिलाओं में दिल की बीमारी के संकेत कई बार अलग रूप में सामने आते हैं। अत्यधिक थकान, मितली, सांस फूलना, पीठ या जबड़े में दर्द जैसे लक्षणों को अक्सर गंभीरता से नहीं लिया जाता।

महिलाओं में हृदय रोग का पता अक्सर देर से चलता है

यही वजह है कि महिलाओं में हृदय रोग का पता अक्सर देर से चलता है। दिल का दौरा पड़ने के बाद महिलाओं में मृत्यु का खतरा पुरुषों की तुलना में अधिक देखा जाता है। कई मामलों में उनकी शिकायतों को सामान्य मान कर अस्पताल से वापस भेज दिया जाता है, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। इसी तरह माहवारी, माइग्रेन, हार्मोन असंतुलन और रजोनिवृत्ति जैसी समस्याओं को अक्सर 'सामान्य' कह कर टाल दिया जाता है। लाखों महिलाएं वर्षों तक दर्द सहती रहती हैं। इस कारण कई बार उनकी गंभीर बीमारियां छिपी रह जाती हैं। अगर भारत की स्थिति पर नजर डालें, तो देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में मातृत्व पर अपेक्षाकृत अधिक ध्यान दिया गया है। गर्भावस्था, प्रसव और शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं में सुधार भी हुआ है। जननी सुरक्षा योजना, आशा कार्यकर्ता और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने जैसी पहलों ने सकारात्मक प्रभाव डाला है, लेकिन समस्या यह है कि महिला स्वास्थ्य को अब भी 'मातृत्व' तक सीमित कर दिया जाता है। जबकि एक महिला की पहचान केवल मां के रूप में ही नहीं होती। किशोरावस्था, कामकाजी जीवन, मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धावस्था और रजोनिवृत्ति से जुड़ी उसकी जरूरतों पर अब भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा।

'द लांसेट' में प्रकाशित एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार पिछले तीन दशकों में दुनिया भर में मातृ मृत्यु दर में कमी आई है। हालांकि हाल के वर्षों में इस सुधार की रफ्तार धीमी पड़ती दिखाई दे रही है। वर्ष 2023 में दुनिया भर में लगभग करीब ढाई लाख महिलाओं की मौत गर्भावस्था और प्रसव से जुड़ी जटिलताओं के कारण हुई। इससे स्पष्ट है कि आज भी अनेक देशों, विशेषकर निम्न और मध्य आय वाले देशों में मातृत्व महिलाओं के लिए जोखिम भरा है। भारत उन देशों में शामिल है जहां मातृ मृत्यु के मामले सबसे अधिक दर्ज किए जाते हैं। वर्ष 2023 में देश में करीब 24,700 महिलाओं की मृत्यु गर्भावस्था और प्रसव से संबंधित कारणों से हुई। मानसिक स्वास्थ्य के मामले में भी महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। घरेलू दबाव, आर्थिक निर्भरता, हिंसा, सामाजिक अपेक्षाएं और लगातार श्रम उनके मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करते हैं। फिर भी बड़ी संख्या में महिलाएं अवसाद, चिंता और मानसिक थकान का इलाज नहीं करा पातीं। इसका कारण केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक सोच भी है। महिलाओं की तकलीफ को अक्सर कमजोरी, ज्यादा सोचने की आदत या घरेलू चिंता कह कर नजरअंदाज कर दिया जाता है। गांवों में स्थिति और जटिल है। वहां स्वास्थ्य सुविधाओं की दूरी, महिला चिकित्सकों की कमी, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक संकोच मिल कर महिलाओं के लिए इलाज को कठिन बना देते हैं। कई परिवारों में पुरुष सदस्यों की बीमारी को लेकर ही चिंता की जाती है, जबकि महिलाएं तब तक इलाज नहीं करातीं, जब तक स्थिति गंभीर न हो जाए। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों से बार-बार यह बात सामने आई है कि देश में बड़ी संख्या में महिलाएं एनीमिया और कुपोषण की शिकार हैं। ऐसे में हालात बदलने के लिए कदम उठाने होंगे। विद्यालय स्तर पर किशोरियों को स्वास्थ्य, पोषण और मानसिक स्थिति के बारे में जरूरी शिक्षा दी जानी चाहिए। माहवारी और प्रजनन स्वास्थ्य को शर्म के बजाय जब सामान्य स्वास्थ्य की तरह देखा जाएगा, तभी स्थितियां बदलेंगी। कार्यस्थलों पर महिलाओं के स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन के लिए संवेदनशील नीतियां बनानी होंगी। वृद्ध महिलाओं के स्वास्थ्य को भी सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में अधिक महत्त्व देना होगा, क्योंकि अक्सर उनकी समस्याओं को 'उम्र का असर' कह कर टाल दिया जाता है। हमें यह समझना होगा कि महिला स्वास्थ्य केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किरंदुल में 7.19 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

महतारी वंदन योजना की 28वीं किस्त का किया उल्लेख,बस पार्किंग सहित 5.72 करोड़ रुपये की अतिरिक्त विकास राशि की घोषणा

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने अपने किरंदुल प्रवास के दौरान नगर पालिका परिषद किरंदुल में लगभग 7 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। उप मुख्यमंत्री साव ने लगभग 4 करोड़ 14 लाख 85 हजार रुपये की लागत से पूर्ण हुए विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से विकसित ऑक्सीजोन पार्क तथा 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत खरीदी गई बैकहो लोडर मशीन, सक्शन मशीन सह मेला टैंकर, ट्रैक्टर इंजन एवं पानी टैंकर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन संसाधनों से नगर की स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने ऑक्सीजोन पार्क की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल एक पार्क नहीं बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और मनोरंजन का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

इसके साथ ही उन्होंने लगभग 3 करोड़ 04 लाख 09 हजार रुपये की लागत से किए जाने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इनमें राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (एसडीएमएफ) के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 6 एवं 8 में नाला निर्माण कार्य, राज्य प्रवर्तित योजना के तहत मुक्तिधाम निर्माण तथा अधोसंरचना मद से विभिन्न वार्डों में सीसी रोड निर्माण कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से नगर की आधारभूत सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा तथा नागरिकों को बेहतर आवागमन और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री साव ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले दो वर्षों में शासन-प्रशासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किरंदुल नगरीय निकाय में 16 करोड़ 43 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत एवं संचालित किए गए हैं। राज्य सरकार नगरों के सुनियोजित विकास के लिए सिटी डेवलपमेंट प्लान के अनुरूप कार्य कर रही है। स्वच्छता, पेयजल, सड़क, अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार निवेश किया जा रहा है, जिससे शहरों को अधिक स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है। इसी उद्देश्य से वे लगातार बस्तर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, खेल एवं युवा कल्याण सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र में सड़क, पेयजल एवं शहरी अधोसंरचना के विकास को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है। महिलाओं के सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने महतारी वंदन योजना की 28वीं किस्त का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से प्रदेश की लाखों माताओं एवं बहनों को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है तथा वे परिवार और समाज में अधिक सशक्त भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर नल-जल योजना, महतारी वंदन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उप मुख्यमंत्री ने किरंदुल की प्राकृतिक सुंदरता की विशेष सराहना करते हुए कहा कि बैलाडीला पर्वतमालाओं की गोद में बसा किरंदुल प्राकृतिक दृष्टि से प्रदेश के सबसे सुंदर नगरों में से एक है। चारों ओर हरियाली, पर्वतीय सौंदर्य और स्वच्छ वातावरण इस नगर को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं।

खाद की कमी और कालाबाजारी पर किसान कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

कहा- किसानों को सुविधा नहीं मिली तो होगा उग्र आंदोलन

कोण्डागांव। जिले में किसानों को खाद उपलब्ध कराने, कालाबाजारी पर रोक लगाने और धान खरीदी केंद्रों में कथित घोटालों की जांच की मांग को लेकर जिला किसान कांग्रेस ने शासन-प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपा। किसान कांग्रेस पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा। जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष हीरालाल नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, लेकिन वर्तमान में किसानों को खाद के लिए भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन के निर्देशानुसार प्रति एकड़ एक-दो बोरी खाद की सीमा तय किए जाने से बेहतर उत्पादन संभव नहीं है। साथ ही खाद की कालाबाजारी भी शुरू हो गई है, जिस पर प्रशासन को सख्ती से रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी के कार्यों के लिए किसानों को डीजल भी जरीकैन में नहीं मिल रहा है। ऐसे में किसानों को बार-बार ट्रैक्टर लेकर पेट्रोल पंप पहुंचना पड़ रहा है, जिससे अतिरिक्त परेशानी हो रही है। किसान कांग्रेस ने मांग की कि किसानों को खाद और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन में धान खरीदी केंद्रों में हुए कथित घोटालों की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग की गई। नेताम ने कहा कि यदि समय रहते किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री रितेश पटेल, प्रदेश किसान कांग्रेस महासचिव एवं कार्यक्रम प्रभारी गजेंद्र सिन्हा, जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष हरमोहन कोहली, प्रदेश सचिव सकुर खान, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय करन, शहर कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र देवांगन, जनपद सदस्य जेठू पोयाम, जयराम मरकाम, लखमू कोर्राम, पिलाराम बघेल, सेवक दीवान, सहदेव पोयाम, गोलू पोयाम, कमलेश दुबे, सन्नी चोपड़ा, लखी पोयाम, चुन्नीलाल नायक, धनशु नेताम, नीलू देवांगन, रंजीता अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में किसान और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के तहत उत्कृष्ट निजी स्कूलों में मिलेगी कक्षा 12वीं तक मुफ्त शिक्षा

20 जून तक आवेदन आमंत्रित, 05 जुलाई को होगी चयन परीक्षा

जगदलपुर। राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजनांतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत कक्षा 06 वीं में प्रवेश हेतु रविवार 05 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक राज्य स्तर पर लिखित प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस योजना का मुख्य ध्येय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण क्षेत्रों के होनहार विद्यार्थियों को राज्य के प्रतिष्ठित और उत्कृष्ट निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाकर उन्हें उच्च स्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। इस योजनांतर्गत चयनित विद्यार्थियों की स्कूल फीस सहित पढ़ाई का संपूर्ण खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा और वे इस योजना के माध्यम से कक्षा 12 वीं तक नियमित रूप से निःशुल्क अध्ययन की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे, जिससे उनके बहुमुखी व्यक्तित्व का विकास हो सके और उन्हें एक बेहतर करियर चयन का अवसर मिल सके। इस महत्वाकांक्षी योजना से लाभान्वित होने के लिए अनिवार्य पात्रता के तहत विद्यार्थी का छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होने सहित सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र धारक होना आवश्यक है। इसके साथ ही छात्र वर्तमान में किसी मान्यता प्राप्त संस्था में कक्षा 05 वीं में नियमित रूप से अध्ययनरत होना चाहिए तथा उसने कक्षा चौथी की परीक्षा में न्यूनतम 80 प्रतिशत से अधिक अंक या उसके समकक्ष ग्रेड प्राप्त किया हो। संबंधित विद्यार्थी के पिता या पालक की सभी स्रोतों से सम्मिलित वार्षिक आय ढाई लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए, जिसके लिए आय प्रमाण पत्र और पालक का स्वघोषणा पत्र अनिवार्य है। योजना का स्वरूप पूरी तरह ग्रामीण केंद्रित है, इसलिए केवल ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और नगर पंचायत क्षेत्र के विद्यालयों से कक्षा चौथी उत्तीर्ण करने वाले छात्र ही इसके पात्र होंगे। इसके अतिरिक्त सीट निर्धारण के नियमों के तहत छात्र जिस जिले का मूल निवासी है, उसे सक्षम प्राधिकारी के निवास प्रमाण पत्र के आधार पर उसी जिले में आवेदन करने की पात्रता होगी और अन्य जिले से किया गया आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उक्त योजनांतर्गत लाभान्वित होने के लिए आगामी 20 जून 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, इस नियत तिथि को शाम 05 बजे तक विद्यार्थी अपना निर्धारित आवेदन पत्र संबंधित विद्यालय में जमा कर सकेंगे।

इसके बाद शाला प्रमुखों द्वारा आवेदनों का परीक्षण कर उन्हें 22 जून तक संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा किया जाएगा। इसके पश्चात उक्त कार्यालय द्वारा सूची तैयार कर 24 जून तक सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय में जमा की जाएगी। विभाग द्वारा सभी प्रधानपाठकों और शिक्षकों से क्षेत्र के योग्य ग्रामीण छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने और आवेदन भरने में सहयोग करने की विशेष अपील की गई है।

पीएमएफएमई योजना से बदली कृष्णदेव की किस्मत अब हर महीने कमा रहे 50-60 हजार रुपये

जगदलपुर। बस्तर अंचल अब केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि ग्रामीण युवाओं के उद्यमशील सपनों और आत्मनिर्भरता के नए प्रतिमानों के लिए भी जाना जा रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना यहाँ के ग्रामीण युवाओं और स्थानीय उद्यमियों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का एक सबसे मजबूत और विश्वसनीय माध्यम बनकर उभरी है। बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पोटानार निवासी कृष्णदेव मिश्रा इस जमीनी बदलाव की एक ऐसी प्रेरणादायक मिसाल हैं, जिन्होंने न केवल सरकारी योजना का लाभ उठाकर अपना स्वरोजगार स्थापित किया, बल्कि आज पूरे क्षेत्र में एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। कृष्णदेव ने बताया कि पिछले वर्ष उन्हें प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजनान्तर्गत 15 लाख रुपये की महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता और शासकीय अनुदान प्राप्त हुआ था। इस पूंजी ने उनके व्यावसायिक सपनों को पंख देने का काम किया। उन्होंने इस राशि का सदुपयोग किया और क्षेत्र में एक आधुनिक बेकरी एवं स्वीट्स निर्माण इकाई स्थापित की। आज इस इकाई में विभिन्न प्रकार के बेकरी उत्पाद जैसे ब्रेड, बिस्कुट, केक और पारंपरिक व आधुनिक मिठाइयाँ पूरी स्वच्छता और गुणवत्ता के साथ तैयार की जा रही हैं। एक कुशल रणनीतिकार की तरह कृष्णदेव ने न केवल उत्पादन पर ध्यान दिया, बल्कि बाजार में अपने उत्पादों की पहुंच बनाने के लिए एक मजबूत नेटवर्क भी तैयार किया।

उन्होंने बताया कि उनके द्वारा निर्मित शुद्ध और स्वादिष्ट उत्पादों की मांग बस्तर के स्थानीय बाजारों में तेजी से बढ़ रही है। वर्तमान में उनके संस्थान से तैयार होने वाले उत्पादों की आपूर्ति स्थानीय व्यवसायियों, किराना दुकानों, चाय-नाश्ते के होटलों और आसपास के साप्ताहिक बाजारों में की जा रही है। इसके साथ ही ग्रामीण अंचल के उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर फ्रेश और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करवा रहे हैं। कृष्णदेव बताते हैं कि इस उद्यम ने न सिर्फ मुझे अपने पैरों पर खड़ा किया है, बल्कि आज मुझे इस बेकरी व्यवसाय से हर महीने 50 से 60 हजार रुपये तक की शुद्ध आय प्राप्त हो रही है। इस व्यवसाय से होने वाली निरंतर और अच्छी आय की बदौलत उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ हुई है। बस्तर के सुदूर ग्रामीण अंचल के कृष्णदेव मिश्रा की यह सफलता इस बात का जीवंत उदाहरण है कि यदि सही समय पर सरकार का मार्गदर्शन, वित्तीय सहयोग और युवाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति का मेल हो जाए, तो अवसरों की कोई कमी नहीं है। कृष्णदेव आज तोकापाल और आसपास के विकासखंडों के उन सैकड़ों युवाओं के लिए एक रोल मॉडल बन चुके हैं, जो नौकरी की तलाश करने के बजाय स्वयं का रोजगार स्थापित कर जॉब प्रोवाइडर बनने का सपना देखते हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव का बस्तर में निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

मिशन अमृत के तहत निर्माणाधीन इंटेक-वेल और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का लिया जायजा, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का काम भी देखा

सुकमा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने बस्तर प्रवास के चौथे दिन सुकमा में मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत शहर में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था को मजबूत करने बनाए जा रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने योजना के तहत शबरी नदी पर निर्माणाधीन इंटेक-वेल के कार्यों को भी देखा। उन्होंने पानी टंकी और पाइपलाइन विस्तार के कार्यों को भी तेजी से पूर्ण करते हुए जनवरी-2027 से मिशन अमृत की इस योजना से सुकमा में जल की आपूर्ति प्रारंभ करने के निर्देश दिए। केंद्र सरकार की मिशन अमृत 2.0 के तहत नगर पालिका द्वारा 86 करोड़ की लागत से सुकमा शहर की पेयजल व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। इसका 54 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों से कहा कि सुकमा की आगामी 25 वर्षों की जरूरत को ध्यान में रखकर इसका निर्माण किया जा रहा है। निर्माण और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं करना है। काम में तेजी बरकरार रखते हुए नियत समय में इसे पूर्ण करना है। उप मुख्यमंत्री साव ने लोक निर्माण विभाग द्वारा सुकमा के कुम्हारास में 11 करोड़ 62 लाख रुपए की लागत से बनाए जा रहे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों में तेजी लाते हुए अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से दिसम्बर तक इसे पूर्ण करने को कहा। करीब 10 एकड़ में बन रहे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फुटबॉल मैदान, एथलेटिक्स ट्रैक, इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, प्रशासनिक भवन, बॉक्स-क्रिकेट, स्वीमिंग-पूल जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही है। इसके निर्माण से सुकमा की खेल प्रतिभाओं को अपने कौशल को निखारने एक सर्वसुविधायुक्त अधोसंरचना और सुविधाएं मिलेंगी। अब तक इसका 50 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। तीनों कार्यों के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर अमित कुमार भी उप मुख्यमंत्री के साथ थे।

कोण्डागांव पुलिस के द्वारा लगाया गया सहयोग चौपाल

पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद के द्वारा सहयोग चौपाल लगाकर समस्याओं का किया गया समाधान

कोण्डागांव। पुलिस के द्वारा अजाक परिसर से लगा हुआ पुराना व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स को तोडकर नवीन कॉम्प्लेक्स निर्माण प्रक्रिया दौरान खोदाई करते समय परिसर पुलिस क्वाटर से लगे हुए क्षेत्र मे ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य हेतु अधिक खोदाई से पुलिस कालोनी के बाथरूम /टायलेट, दीवाल क्षतिग्रस्त हुआ था, जिससे वहां निवासरत निवासियो में आक्रोश का माहौल था। जिला कोण्डागांव मे सहयोग चौपाल लगाकर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है, इसी तारतम्य मे 7 जून को अजाक थाना परिसर मे थाना कोंडागांव पुलिस के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (पु.) रूपेश कुमार, थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ उपाध्याय एवं अजाक प्रभारी उप निरी अमिताभ खांडेकर के उपस्थिति मे समस्या के निराकरण हेतु नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल की उपस्थिति मे सहयोग चौपाल लगाया गया, जिसमें परिसर मे निवासरत एवं कॉम्प्लेक्स निर्माण करने वाले ठेकेदार एवं अन्य नागरिक उपस्थित थे।

जिससे समस्यो के संबन्ध मे पुछताछ किया गया। समस्याओं को सुना गया एवं समस्याओं का निराकरण किया जिसमें दोनों पक्ष संतुष्ट नजर आये पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा चलाये जा रहे सहयोग चौपाल से पुलिस और जनता के समस्या का निराकरण मे एक अच्छी पहल हो रही है जिसका लोगो ने खूब प्रशंसा किया।

तेलघानी बोर्ड की योजनाओं का लाभ सुकमा तक पहुंचाने पर हुई चर्चा, महिला आयोग सदस्य दीपिका शोरी ने की साहू से भेंट

सुकमा। छत्तीसगढ़ शासन के तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू से छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य दीपिका शोरी ने सुकमा सर्किट हाउस में सौजन्य भेंट कर जिले के लोगों को तेलघानी बोर्ड की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ दिलाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान दीपिका शोरी ने सुकमा जिले की भौगोलिक एवं सामाजिक परिस्थितियों से अवगत कराते हुए बताया कि जिले में वनोपज के रूप में टोरा का उत्पादन बड़ी मात्रा में होता है तथा ग्रामीणों द्वारा टोरा तेल का व्यापक उपयोग किया जाता है। तेल निकालने के लिए ग्रामीणों को हाट-बाजारों और तेल मिलों में काफी समय व्यतीत करना पड़ता है। ऐसे में ग्रामीणों को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए प्रभावी पहल की आवश्यकता है। दीपिका शोरी ने बताया कि खादी ग्रामोद्योग के माध्यम से तेलघानी बोर्ड द्वारा छोटी तेल निष्कर्षण मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनकी लागत लगभग 1 लाख से 2 लाख रुपये तक है। इन मशीनों पर ग्रामीण क्षेत्रों में 35 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्रों में 25 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। इस योजना का लाभ किसी भी वर्ग के समूह, स्व-सहायता समूह अथवा व्यक्तिगत हितग्राही ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह मशीन प्रतिदिन 40 से 50 लीटर तक तेल उत्पादन करने में सक्षम है और इसे स्थापित करने के लिए बड़े स्थान की भी आवश्यकता नहीं होती। इससे ग्रामीण अपने गांव या घर के समीप ही तेल उत्पादन कर सकेंगे, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होगी। साथ ही तेल निकालने के बाद बचने वाली खली को बेचकर अतिरिक्त आय भी अर्जित की जा सकेगी। महिला आयोग सदस्य ने कहा कि यह योजना ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। उन्होंने जिले के नागरिकों से शासन की इस जनकल्याणकारी योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने तथा अपने जीवन स्तर में सुधार लाने की अपील की।

जगदलपुर में जून और जुलाई में लगेंगे दो बड़े रोजगार मेले, नियोक्ताओं से मांगी गई रिक्तियों की जानकारी

जगदलपुर। बस्तर संभाग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करने और कंपनियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार हुनरमंद कर्मचारी दिलाने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जगदलपुर द्वारा आने वाले दिनों में दो बड़े रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में उपसंचालक रोजगार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह पूरी प्रक्रिया और सेवा दोनों ही पक्षों के लिए पूर्णतः निःशुल्क रखी गई है। रोजगार मेलों के आयोजन की कड़ियाँ आगामी मंगलवार 16 जून से शुरू होने जा रही हैं, जब क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के पास आड़ावाल स्थित जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के परिसर में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके ठीक बाद अगले महीने 7 जुलाई को एक बड़े स्तर पर संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन आड़ावाल स्थित लाईवलीहुड कॉलेज में किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विभागीय अधिकारियों ने बस्तर और आसपास के सभी निजी फर्मों, संस्थाओं, कार्यालयों और दुकान संचालकों से सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है। ऐसे सभी नियोक्ता जो रोजगार मेले के माध्यम से अपने यहाँ खाली पड़े पदों को भरना चाहते हैं, वे बेहद आसान तरीकों से अपनी रिक्तियों की जानकारी विभाग को साझा कर सकते हैं। इसके लिए वे छत्तीसगढ़ शासन के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर रोजगार मेला नियोक्ता पंजीयन विकल्प के माध्यम से ऑनलाइन लॉग-इन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नियोक्ता अपनी आवश्यक जानकारी कार्यालय की आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेज सकते हैं या फिर कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर पत्र के माध्यम से भी विवरण सौंप सकते हैं। रिक्तियों की जानकारी भेजते समय नियोक्ताओं को पदवार खाली सीटों की संख्या, आवश्यक शैक्षणिक व तकनीकी योग्यता, अनुभव और प्रति माह वेतन का स्पष्ट उल्लेख करना होगा। विस्तृत जानकारी होने से योग्यता के अनुसार सही और योग्य युवाओं को इन पदों की ओर आकर्षित करने में आसानी होगी।

संक्षिप्त समाचार

सहकारी समिति की सदस्यता सूची पर दावा आपत्ति 16 जून तक

बिलासपुर। आशीर्वाद वैली आवासीय सहकारी समिति मर्या. बोदरी की सदस्यता सूची का प्रथम प्रकाशन कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 16 जून 2026 तक लिखित में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष सोसाइटी कार्यालय में प्रस्तुत किये जा सकते है। 18 जून 2026 को दोपहर 12 बजे दावों एवं आपत्तियों का निराकरण कर अंतिम सदस्यता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

संविदा पदों पर भर्ती हेतु कौशल परीक्षा 15 जून को

बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत विभिन्न रिक्त संविदा पदों फिजियोथेरेपिस्ट, डेंटल असिस्टेंट-एनओएचपी, फीडिंग डिमांसट्रेटर-एनआरसी, एमपीडब्ल्यू-यूएएएम, सेक्रेट्रियल असिस्टेंट-आईडीएसपी, एनपीसीबी की भर्ती के लिए कौशल परीक्षा का आयोजन 15 जून को सवेरे 10 बजे से किया जाएगा। कौशल परीक्षा के लिए शासकीय आईटीआई कोनी एवं शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल राजेन्द्र नगर बिलासपुर को परीक्षा केंद्र बनाए गए है। अभ्यर्थियों को सवेरे 10 बजे तक अपने मूल दस्तावेजों के साथ परीक्षा स्थल में उपस्थित होना होगा। कौशल परीक्षा के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची कार्यालय सूचना पटल एवं जिले की वेबसाईट 222.डुद्धद्यड्डह्लश्चह्लह्ल.द्दश1.द्बठ्ठ पर उपलब्ध है।

प्राकृतिक आपदाओं के पूर्व सचेत करेंगी ऐप्स, टोल फ्री नंबर भी जारी

बिलासपुर। भारत सरकार द्वारा बाढ़, आकाशीय बिजली, वनीय आग, लू एवं तापघात जैसी प्राकृतिक आपदाओं से पहले लोगों को समय पर सतर्क करने के उद्देश्य से सचेत, दामिनी और मेघदूत मोबाइल ऐप्स बनाया गया है। इन ऐप्स के माध्यम से नागरिकों को संभावित आपदाओं की पूर्व चेतावनी प्राप्त हो सकेगी, जिससे जनहानि और नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। आपदा की स्थिति में सहायता एवं बचाव के लिए टोल फ्री नंबर 1070 और 112 भी जारी किया गया है। उक्त ऐप्स का उपयोग पुलिस, नगर सेना, जिला एवं तहसील स्तर के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर पर पटवारी, सरपंच, सचिव, शिक्षक, आशा कार्यकर्ता एवं आम लोगों को करने को कहा गया है। यह ऐप्स गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किये जा सकते है।

भारत विस्तार ऐप से किसानों को मिलेगी खेती-किसानी की जानकारी

बिलासपुर। भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किसानों के लिए भारत विस्तार नामक एआई आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रारंभ किया गया है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसानों को विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी, आवेदन, लाभ की स्थिति, मौसम पूर्वानुमान, मंडी भाव, कीट-रोग सलाह आदि एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। भारत विस्तार ऐप गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध है। इसके साथ ही किसान वेब पोर्टल द्धह्लह्लश्चह्ल://ड्डद्दड्ड2द्दद्यद्धड्डह्लद्द.द्दश1.द्बठ्ठ एवं टोल फ्री नंबर 155261 पर भी कृषि संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते है। भारत विस्तार ऐप में केंद्र सरकार की 10 प्रमुख योजनाओं की जानकारी जैसे कि पीएम-किसान, पीएमएफबीवाय, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, केसीसी आदि उपलब्ध है। उप संचालक कृषि ने किसानों से इस प्लेटफॉर्म का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन प्रस्ताव 15 जुलाई तक

बिलासपुर। भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर घोषित किये जाने वाले पद्म पुरस्कारों जैसे कि पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। व्यक्तिगत रूप से भेजे जाने वाले नामांकन ऑनलाईन के माध्यम से भारत सरकार के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल द्धह्लह्लश्चह्ल://ड्ड2ड्डह्मह्ल.द्दश1.द्बठ्ठ पर 31 जुलाई 2026 तक किये जा सकते है। साथ ही जिला कार्यालय में नामांकन प्रस्ताव कलेक्टर की अनुशंसा सहित भारत सरकार के संलग्न प्रपत्र में 15 जुलाई 2026 तक छत्तीसगढ़ शासन को उपलब्ध कराने हेतु नियत दिनांक से एक सप्ताह पूर्व प्रस्तुत करना होगा। भारत सरकार की मंशा इन पुरस्कारों के माध्यम से राज्य के सुदूर वनांचलों, ग्रामीण क्षेत्रों और नगरीय क्षेत्रों से समाज के उन अनछुए और गुमनाम नायकों की पहचान करना है, जो समाज सेवा, कला, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं।

विद्यार्थी उत्कर्ष योजना हेतु आवेदन 20 जून तक

बिलासपुर। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा 05 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय दोपहर 12 से 2 बजे तक निर्धारित किया गया है। योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को राज्य के उत्कृष्ट निजी विद्यालयों में अध्ययन का अवसर प्रदान किया जाएगा। आदिम जाति अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार विद्यार्थी अपने आवेदन पत्र संबंधित विद्यालय में 20 जून 2026 तक जमा कर सकेंगे। विद्यालयों द्वारा जांच के बाद आवेदन विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं वहां से सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग कार्यालय को भेजे जाएंगे।

सुशासन तिहार के आवेदनों का तेजी से निराकरण करें, आमजन का विश्वास बढ़ाएं : कलेक्टर

अग्नि दुर्घटनाओं पर जताई चिंता,जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश

- स्कूल खुलने से पहले सफाई, सुरक्षा और प्रवेश उत्सव की तैयारी पूरी करें
- खाद-बीज की उपलब्धता, पीएम सूर्यघर योजना और वृक्षारोपण अभियान की समीक्षा

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक में सुशासन तिहार, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, राजस्व प्रकरणों, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा, वृक्षारोपण एवं विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश खरे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से निपटारा करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिले के 32 विभागों द्वारा 80 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। कलेक्टर ने कहा कि आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया के दौरान संबंधित आवेदकों से दूरभाष पर संपर्क कर उन्हें की जा रही कार्रवाई की जानकारी भी दी जाए, ताकि शासन-प्रशासन के प्रति उनका विश्वास और मजबूत हो। बैठक में जिले में हाल के दिनों में बढ़ी अग्नि दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने इसके कारणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वीकृत क्षमता से अधिक विद्युत भार का उपयोग तथा पुरानी वायरिंग आगजनी की घटनाओं के प्रमुख कारण बन रहे हैं। उन्होंने विद्युत विभाग को विशेष सतर्कता

बरतने तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सुरक्षा संबंधी जानकारी देने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में नियमित साप्ताहिक पेशियां लगाकर त्वरित निर्णय सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के संबंध में उन्होंने अधिकारियों को प्रतिदिन पोर्टल का अवलोकन करने तथा शिकायतों का समय-सीमा में समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं होने पर प्रकरण स्वत: उच्च स्तर पर पहुंच जाएंगे, जिससे विभागीय जवाबदेही प्रभावित होगी। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिलाने के लिए नगरीय निकायों एवं बड़े ग्रामों में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न विभागों में प्रस्तावित भर्तियों के संबंध में कहा कि आवेदन प्रक्रिया को अधिकतम ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया जाए तथा भर्ती संबंधी कार्यवाही छह माह के भीतर पूर्ण करने का प्रयास किया जाए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष खाद एवं बीज का भंडारण तथा वितरण पिछले वर्ष की तुलना में अधिक हुआ है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसी भी सेवा सहकारी समिति में खाद-बीज की कमी नहीं होनी चाहिए तथा नकली खाद एवं बीज के विक्रय पर कड़ी निगरानी रखी जाए। शिक्षा विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने 16 जून से प्रारंभ होने वाले नए शैक्षणिक सत्र के मद्देनजर जिला स्तरीय प्रवेश उत्सव की तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों का परीक्षा परिणाम अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स'दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर ज़िला ने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया

बिलासपुर। 'भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे' के बिलासपुर ज़िला मुख्यालय ने पर्यावरण की रक्षा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के उद्देश्य से रविवार, 7 जून 2026 को पूरे ज़िले में एक बड़े वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस बड़े पर्यावरण अभियान में स्थानीय स्काउट और गाइड समूहों के कुल 120 समर्पित सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने मिलकर शहर की दो प्रमुख जगहों पर स्थानीय प्रजातियों के 150 से ज़्यादा पौधे लगाए। अभियान की शुरुआत सुबह 8:00 बजे न्यू लोको कॉलोनी में मारी माई मंदिर के ठीक सामने हुई। रिहायशी इलाके में हरियाली बढ़ाने के लिए प्रतिभागी सुबह-सुबह ही इकट्ठा हो

गए। पहले चरण के सफल समापन के बाद, अभियान सुबह 8:30 बजे सिरगिट्टी पहुँचा, जहाँ वृक्षारोपण का दूसरा दौर हुआ। इसके अलावा, अनार, नीम, आँवला, आम, करंज और जामुन जैसे विभिन्न पौधों के बीज भी बांटे गए। ज़िला-स्तर का यह कार्यक्रम 'भारत स्काउट्स एंड गाइड्स' के उन मुख्य मूल्यों के अनुरूप है, जो नागरिक ज़िम्मेदारी, सामुदायिक सेवा और पर्यावरण की देखभाल पर ज़ोर देते हैं। बिलासपुर ज़िला मुख्यालय ने इस हरित अभियान को ज़बरदस्त सफलता दिलाने में मदद करने वाले सभी भाग लेने वाले समूहों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। यह कार्यक्रम श्री अनुराग कुमार सिंह जिला आयुक्त स्काउट बिलासपुर एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक बिलासपुर के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

कोरबा पुलिस द्वारा चलाया गया विशेष मुसाफिर चेकिंग अभियान

- बाहरी व्यक्तियों की पहचान एवं आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच पर विशेष फोकस
- संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन कर मूल थानों से मंगाया जाएगा आपराधिक रिकॉर्ड

कोरबा। पुलिस अधीक्षक कोरबा के निर्देशन में जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों पर प्रभावी निगरानी रखने हेतु विशेष मुसाफिर चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का संचालन प्रशिक्षु उप निरीक्षकों द्वारा किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किराए के मकानों, लॉज, ढाबों एवं सार्वजनिक स्थानों पर ठहरे बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। अभियान के दौरान बाहर से आकर निवास कर रहे व्यक्तियों के आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र एवं अन्य वैध पहचान पत्रों की जांच की गई। साथ ही उनके निवास, कार्यस्थल एवं आगमन के उद्देश्य के संबंध में जानकारी एकत्रित की गई। सत्यापन के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर संबंधित व्यक्तियों की पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा ऐसे व्यक्तियों के संबंध में एसएस रोल तैयार किए जा रहे हैं तथा आवश्यकता अनुसार उनके मूल थाना एवं जिला से आपराधिक रिकॉर्ड एवं चरित्र सत्यापन संबंधी जानकारी मंगाई जाएगी। जिन व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं, उन्हें कड़ी चेतावनी देते हुए वैधानिक कार्रवाई की जानकारी दी गई तथा अनावश्यक रूप से जिले में भ्रमण अथवा ठहराव न करने की हिदायत दी गई। कोरबा पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन एवं निगरानी की यह कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। आमजन से अपील की गई है कि अपने आसपास किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तत्काल निकटतम थाना अथवा डायल 112 को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में शामिल हुए अमर अग्रवाल,मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को बताया जनविश्वास की जीत

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम, बिलासपुर में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री अमर अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार माननीया श्रीमती सावित्री ठाकुर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, विधायक श्री धर्मजीत सिंह, श्री भूपेंद्र सवन्नी, श्री राजा पांडे सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अमर अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना विकास, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा, इन

12 वर्षों की सबसे बड़ी उपलब्धियां हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। श्री अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत 2047 का संकल्प केवल सरकार का नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ नागरिकों का संकल्प है। हम सभी की सहभागिता से भारत को विश्व की अग्रणी और विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में स्थापित करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

16 हजार से अधिक बच्चों एवं नागरिकों ने ली समपार सुरक्षा की शपथ

- अंतरराष्ट्रीय समपार जागरूकता सप्ताह के तीसरे दिन बिलासपुर मंडल में व्यापक जनभागीदारी

बिलासपुर। अंतरराष्ट्रीय समपार जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा चलाए जा रहे विशेष जन-जागरूकता अभियान को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है। अभियान के तीसरे दिन आज मंडल के विभिन्न जिलों में स्थित विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सामाजिक संगठनों में बड़े पैमाने पर समपार सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सक्ती, रायगढ़, कोरबा, सुंदरगढ़, पेंड्रा-मरवाही, कोरिया-मनेन्द्रगढ़-भरतपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, अंबिकापुर, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया एवं कटनी जिलों के 42 विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विभिन्न संगठनों में लगभग 16,000 विद्यार्थियों एवं नागरिकों को समपार सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रमों के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों, वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को रेलवे समपारों पर सुरक्षित व्यवहार अपनाने, चेतावनी संकेतों का पालन करने तथा बंद समपार फाटक को पार करने का प्रयास न करने के संबंध में जागरूक किया गया। प्रतिभागियों को बताया गया कि रेलवे समपारों पर होने वाली अधिकांश दुर्घटनाएँ मानवीय लापरवाही का परिणाम होती हैं, जिन्हें जागरूकता, धैर्य एवं नियमों के पालन से रोका जा सकता है। अभियान के दौरान उपस्थित जनसमुदाय ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं समपार सुरक्षा नियमों का पालन करेंगे तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सुरक्षित समपार उपयोग का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। बिलासपुर मंडल द्वारा सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत समपार फाटकों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जनसंवाद, ग्राम संपर्क, सुरक्षा शपथ, नुक्कड़ नाटक, रैलियों एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य नागरिकों में सुरक्षा संस्कृति को विकसित करना तथा समपार दुर्घटनाओं को शून्य की दिशा में ले जाना है। मंडल प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि रेलवे समपारों पर प्रदर्शित सुरक्षा संकेतों का पालन करें, जल्दबाजी से बचें तथा सुरक्षित रेल एवं सड़क यातायात व्यवस्था के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएँ।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में आज ग्राम पंचायत सेंवार के सरपंच दिलहरण लाल रजक ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर नगपुरा से झाला तक सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि यह मार्ग नगपुरा, धमनी, कड़ार, सेंवार, कया, बुंदेला जैसे गांवों को जोड़ता है तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण, मजदूर और छात्र प्रतिदिन इसका उपयोग करते हैं। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण आवागमन में भारी परेशानी हो रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ग्राम बरतोरी निवासी श्रीमती देवकी मानिकपुरी ने कलेक्टर को आवेदन देकर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवास के अपूर्ण कार्य को पूरा कराने की अनुमति देने की मांग की है। आवेदिका ने बताया कि आवास निर्माण का कार्य छत तक पहुंच चुका है, लेकिन न्यायालयीन विवाद और शिकायतों के कारण काम रुक गया है। इससे उन्हें योजना का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने मामले का शीघ्र निराकरण कर आवास निर्माण पूरा कराने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। मस्तूरी तहसील के दर्राभाठा निवासी रामसरोज ने मनरेगा के तहत किए गए 32 दिनों के कार्य का भुगतान दिलाने की मांग की है। उन्होंने

बताया कि गड्ढा खुदाई सहित विभिन्न कार्यों में मजदूरी करने के बावजूद आज तक उन्हें भुगतान नहीं मिला है। रोजगार सहायक द्वारा आश्वासन देने के बाद भी राशि का भुगतान नहीं किया गया। रतनपुर क्षेत्र के रकैहापारा निवासी सखाराम ने अपनी कृषि भूमि के सही सीमांकन नहीं होने के संबंध में ज्ञापन देते हुए बताया कि पूर्व में आवेदन देने के बाद भी सही तरीके से सीमांकन नहीं किया गया है। उन्होंने भूमि का पुन: सही सीमांकन कराने कहा। ग्राम पंचायत सेंवार के सरपंच श्री दिलहरण लाल रजक द्वारा पंचायत की ओर से आवेदन प्रस्तुत कर गांव में नए पशु चिकित्सालय भवन निर्माण की स्वीकृति देने का अनुरोध किया। आवेदन में बताया गया कि वर्तमान भवन जर्जर स्थिति में है और कभी भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, जिससे पशु चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। नगर निगम क्षेत्र के एकता नगर (लिटिल एंजेल गली), सिद्धिविनायक वार्ड क्रमांक-4 घुरू के रहवासियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर ट्रांसफार्मर एवं विद्युत खंभे लगाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कराने की मांग की है। मोहल्लावासियों का कहना है कि क्षेत्र में ट्रांसफार्मर और पर्याप्त बिजली व्यवस्था नहीं होने से लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वयं के व्यय पर आवश्यक व्यवस्था करने की इच्छा जताते हुए नगर निगम से शीघ्र एनओसी जारी करने की मांग की है। जनदर्शन में आज जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने सभी की समस्याओं को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

घर में कमल की पेंटिंग लगाने के कई फायदे

वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसी पेंटिंग्स का जिक्र किया गया है जो घर में सुख-शांति और पॉजिटिव एनर्जी ले आते हैं। ना सिर्फ ये घर की शोभा बढ़ाते हैं बल्कि इनकी मौजूदगी से घर का माहौल भी अच्छा होता है। आज जानेंगे हाई डिमांड लोटस पेंटिंग से जुड़े फायदे और इसे सही दिशा में लगाए जाने के बारे में।

मां लक्ष्मी से जुड़ा है कनेक्शन

कमल का फूल मां लक्ष्मी का प्रिय माना जाता है। धार्मिक तस्वीरों और मूर्तियों में भी मां लक्ष्मी अक्सर कमल के फूल पर बैठी दिखाई देती हैं। ऐसे में मान्यता है कि कमल के फूल वाली पेंटिंग घर में बरकत के साथ-साथ पॉजिटिविटी ले आती है।

पेंटिंग की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर कमल की पेंटिंग को सही दिशा में लगाया जाएगा तभी ये शुभ फल देता है। नियम के अनुसार इसे घर की उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण में लगाना चाहिए। वास्तु के अनुसार ये घर का सबसे शुद्ध कोना होता है।

इन जगहों पर लगाएं लोटस पेंटिंग

अब जान लेते हैं कि आखिर इस पेंटिंग को किस कमरे में लगाया जाए? वास्तु शास्त्र के नियम के हिसाब से इस पेंटिंग को अगर पूजा घर के आसपास लगाया जाए तो काफी शुभ होगा। वहीं लिविंग रूम और मुख्य द्वार पर भी इसे लगाना शुभ होता है।

बेडरूम में कमल की पेंटिंग

अगर आपके घर में अक्सर तनाव की स्थिति बनती है या फिर माहौल काफी नेगेटिव होता है तो कमल की पेंटिंग को बेडरूम में लगाकर देखिए। मान्यता है कि यहां पेंटिंग लगाने से मन शांत रहता है और आसपास पॉजिटिव वाइब्स महसूस होती हैं।

घर में ना लगाएं ऐसे कमल की पेंटिंग

अगर आप घर में कमल पेंटिंग लगाने की सोच रहे हैं तो ध्यान में रखें कि कभी भी सूखे, टूटे या फिर मुरझाए कमल की पेंटिंग घर ना लाएं। अगर ऐसी पेंटिंग घर में लगाई जाए तो नेगेटिविटी बढ़ने लगती है।

तरक्की का है प्रतीक

वास्तु शास्त्र की मान्यता के अनुसार घर में कमल की पेंटिंग लगाने से एनर्जी तो अच्छी होती ही है। साथ में जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए भी मोटिवेशन मिलता है। बस शर्त इतनी है कि कमल की पेंटिंग इतनी सुंदर हो कि उसे देखने भर से मन खुश हो जाए।

घर में ना लगाएं ऐसी पेंटिंग

वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर में कभी भी डूबते हुए जहाज, बंजर जमीन, डूबते सूरज और रोते हुए आदमी की पेंटिंग या फोटो नहीं रखनी चाहिए। माना जाता है कि ये जिंदगी में नेगेटिविटी लाते हैं और इससे हर काम में बाधा आती है।

घर के लिए लकी वास्तु की पेंटिंग

वास्तु के अनुसार कुछ पेंटिंग घर में पॉजिटिविटी और बरकत ले आते हैं। उगते सूरज से लेकर दौड़ते हुए 7 घोड़े, राधा-कृष्ण और बहते झरने की पेंटिंग घर में हमेशा पॉजिटिविटी ले आते हैं। डिस्क्लेमर- इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक है। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

चुभती घमौरियां दूर करेंगे ये घरेलू उपाय

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याएं लेकर आता है। इनमें सबसे आम समस्या है घमोरियां। तेज धूप, अधिक पसीना और उमस भरा मौसम त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देता है, जिससे शरीर पर छोटे-छोटे लाल दाने, जलन और खुजली की समस्या होने लगती है। बच्चे हों या बड़े, घमोरियां किसी को भी परेशान कर सकती हैं। घमोरियों की वजह से न सिर्फ असहजता महसूस होती है, बल्कि कई बार त्वचा में जलन और संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में लोग महंगे पाउडर और क्रीम का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कई घरेलू उपाय भी इस समस्या में राहत पहुंचा सकते हैं। भारतीय घरों में सदियों से कुछ प्राकृतिक नुस्खों का उपयोग त्वचा को ठंडक पहुंचाने और घमोरियों से राहत पाने के लिए किया जाता रहा है। इन उपायों में मौजूद प्राकृतिक गुण त्वचा को आराम देने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, यदि समस्या गंभीर हो, पस बनने लगे या लंबे समय तक बनी रहे तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। आइए जानते हैं कि गर्मी में घमोरियों से राहत पाने के लिए कौन-से देसी उपाय अपनाए जा सकते हैं और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

घमोरियां क्यों होती हैं?

घमोरियां गर्मियों में होती है। इसका कारण है पसीने की ग्रंथियां बंद होना। अत्यधिक पसीना आने पर त्वचा के छिद्र बंद हो सकते हैं। उमस और गर्म वातावरण जोखिम बढ़ाता है।
टाइट और सिंथेटिक कपड़े समस्या को बढ़ा सकते हैं।
बच्चों और अधिक पसीना आने वाले लोगों में यह ज्यादा देखने को मिलती है।

घमोरियों में कौन-सा देसी उपाय राहत दे सकता है?

एलोवेरा और गुलाब जल
ताजा एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक पहुंचाने में मदद कर सकता है।
गुलाब जल त्वचा को तरोताजा महसूस करा सकता है।
दोनों का उपयोग त्वचा की जलन कम करने में सहायक माना जाता है।
पहले त्वचा के छोटे हिस्से पर परीक्षण कर लें।

घमोरियों से बचने के लिए क्या करें?

- ✓दिन में पर्याप्त पानी पिएं।
- ✓ढीले और सूती कपड़े पहनें।
- ✓अधिक देर तक पसीने वाले कपड़े न पहनें।
- ✓धूप से लौटने के बाद स्नान करें।
- ✓त्वचा को साफ और सूखा रखें।

खाने के लिए 3 महीने तक अपनाएं आयुर्वेदिक रूल..

आयुर्वेद के मुताबिक सही खाने को ही सबसे बड़ी औषधि माना गया है। अगर रोजाना के खाने का समय, मात्रा और तरीका सही कर लें तो शरीर लंबे समय तक हेल्दी रह सकता है। यहां खाने के लिए आयुर्वेदिक रूल को जानें जिसे 3 महीने तक लगातार अपनाने से बीमारियां दूर होने लगेंगी। यहां बता रहे हैं आयुर्वेदिक खाने की रूल-

भूख लगने पर खाएं
बिना भूख के बार-बार खाना अग्नि को कमजोर करता है, जिससे गैस, अपच और थकान बढ़ सकती है।

ताजा और गर्म खाना खाएं
बासी, बहुत ज्यादा ठंडा या बार-बार गरम किया खाना नहीं खाना चाहिए। इस तरह का खाना शरीर में टॉक्सिन बढ़ाने का काम करता है।

शांत मन से खाएं
मोबाइल देखते हुए या जल्दी-जल्दी खाने से बचें। इससे पाचन से जुड़ी समस्याएं होती हैं।

कितना खाएं
आयुर्वेद कहते है कि खाना 50 परसेंट खाना चाहिए और 25 परसेंट पानी पिएं। इसके अलावा 25 प्रतिशत तक पेट खाली होना चाहिए। इससे पाचन सही रहता है।

रात का खाना जल्दी खाएं
सोने से 2 या 3 घंटे पहले हल्का खाना खाएं। पाचन के लिए इसे बेहतर माना जाता है।

सुबह का नाश्ता हल्का
सुबह का नाश्ता हल्का होना चाहिए। फल, दलिया, अंकुरित बीज, मखाना और सत्तू जैसे हल्के खाने को फायदेमंद माना जाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपके लिए थोड़ा खर्चीला रह सकता है, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के बारहवें भाव में स्थित है। करियर के क्षेत्र में कार्यभार अधिक रहेगा, लेकिन आप अपनी बुद्धिमानी से सब संभाल लेंगे। बिजनेस में धन के निवेश के समय सावधानी बरतें। लव लाइफ में साथी के साथ थोड़ी गलतफहमियां हो सकती हैं, इसलिए स्पष्ट बात करना ही उचित रहेगा। स्वास्थ्य में पैरों या आंखों की थकान महसूस हो सकती है, भरपूर आराम करें।

वृषभ राशि - आपकी राशि के एकादश भाव में विराजमान है। करियर में आपकी मेहनत का अच्छा फल मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की सराहना करेंगे। बिजनेस में अचानक आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। लव लाइफ में साथी के साथ बेहतरीन समय बीतेगा और आप भविष्य को लेकर चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन राशि - आपके लिए सफलता दिलाने वाला है, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दशम भाव में संचरण कर रहा है। करियर में आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपके पद में वृद्धि होगी। बिजनेस में नई योजनाएं सफल होंगी और लाभ के नए अवसर सामने आएंगे। लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बना रहेगा और आपसी प्रेम में प्रगाढ़ता आएगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन अच्छा है, बस काम के साथ-साथ अपने खान-पान पर भी ध्यान दें।

कर्क राशि - आपके लिए भाग्यशाली रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के नवम भाव में स्थित है। करियर में तरक्की के नए द्वार खुलेंगे और विदेश यात्रा के योग भी बन सकते हैं। बिजनेस में कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है। लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ता और मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति आप पहले से बेहतर महसूस करेंगे, ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। कल आप किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य में रुचि ले सकते हैं।

सिंह राशि - थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के अष्टम भाव में गोचर कर रहा है। करियर में सहकर्मियों से सतर्क रहें और अपने काम पर ही ध्यान दें। बिजनेस में किसी भी प्रकार का बड़ा निवेश अभी न करें। लव लाइफ में साथी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य में पेट या पाचन से जुड़ी समस्या हो सकती है, सात्विक भोजन लें। कल आपको धैर्य रखने की बहुत अधिक आवश्यकता है।

कन्या राशि - रआपके लिए मिश्रित फलदायी रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के सप्तम भाव में विराजमान है। करियर में नई साझेदारी करने के लिए दिन अच्छा है। बिजनेस में मुनाफा बढ़ेगा, लेकिन खर्चों पर भी नियंत्रण रखना होगा। लव लाइफ में साथी के साथ कहीं बाहर जाने का मौका मिल सकता है, जिससे मूड अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन सामान्य है, बस नियमित व्यायाम करते रहें।

तुला राशि- चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव में स्थित है। यह स्थान रोगों और शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला है। करियर में आपको पुरानी मेहनत का फल मिलेगा और आपके विरोधी शांत रहेंगे। बिजनेस में लाभ की स्थिति बनी रहेगी। लव लाइफ में साथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे और आप दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को बेहतर समझेंगे।

वृश्चिक राशि - आपके लिए मध्यम फलदायी रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के पंचम भाव में संचरण कर रहा है। करियर में रचनात्मक विचारों की प्रशंसा होगी। बिजनेस में कोई बड़ा लाभ मिल सकता है, बशर्ते आप सही योजना बनाएं। लव लाइफ में साथी के साथ थोड़ी नोकझोंक हो सकती है, लेकिन अंत में सब ठीक हो जाएगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। कल आपको अपने बच्चों की शिक्षा या भविष्य से जुड़ी किसी बात पर ध्यान देने की आवश्यकता पड़ सकती है।

धनु राशि- करियर में घर-परिवार की समस्याओं के कारण कार्यस्थल पर ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत आ सकती है। बिजनेस में सावधानी से काम लें। लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लगेगा। स्वास्थ्य में माता-पिता की सेहत का ध्यान रखें। कल व्यर्थ की बातों में समय बर्बाद करने से बचें और अपने काम पर ध्यान लगाएं। घर के वातावरण को शांत रखने की कोशिश करें। ध्यान और योग करने से मानसिक तनाव में कमी आएगी और आप राहत महसूस करेंगे।

मकर राशि - आपके लिए बहुत शुभ रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के तीसरे भाव में स्थित है। करियर में आपके साहस और पराक्रम की सराहना होगी। बिजनेस में नए संपर्क बनेंगे जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे। लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ता और भी अधिक गहरा होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, आप पूरी तरह से ऊर्जावान महसूस करेंगे। कल आप किसी पुराने मित्र से मिल सकते हैं, जिससे मन बहुत प्रसन्न होगा।

कुंभ राशि- आपके लिए सावधानी बरतने वाला है, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दूसरे भाव में गोचर कर रहा है। करियर में धन संबंधी मामलों में सतर्क रहें, सोच-समझकर ही पैसा खर्च करें। बिजनेस में किसी को उधार न दें। लव लाइफ में वाणी पर संयम रखें, अन्यथा वाद-विवाद हो सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से गले या खान-पान का ध्यान रखें। कल आपको अपने निवेशों की समीक्षा करने की आवश्यकता हो सकती है।

मीन राशि- आपके लिए बेहद शानदार रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी ही राशि यानी प्रथम भाव में विराजमान है। करियर में नई उपलब्धियां प्राप्त होंगी और आपके नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। बिजनेस में लाभ के नए अवसर मिलेंगे। लव लाइफ में साथी के साथ रोमांटिक पल बिताएंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप मन से भी काफी प्रसन्न रहेंगे।

सुबह खाली पेट करें योगासनों का अभ्यास

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में ज्यादातर लोग सुबह उठते ही थकान, आलस और शरीर में भारीपन महसूस करते हैं। देर रात तक मोबाइल चलाना, खराब लाइफस्टाइल और शारीरिक गतिविधि की कमी शरीर की एनर्जी को धीरे-धीरे कम कर देती है। यही वजह है कि कई लोग दिनभर सुस्ती, तनाव और कमजोरी महसूस करते हैं। ऐसे में सुबह खाली पेट किए गए कुछ आसान योगासन शरीर और दिमाग दोनों को एनर्जी से भर सकते हैं।योग सिर्फ शरीर को फिट रखने का तरीका नहीं है, बल्कि यह शरीर के ब्लड सर्कुलेशन, ऑक्सीजन लेवल और मानसिक ऊर्जा को भी बेहतर बनाता है। खास बात यह है कि सुबह खाली पेट योग करने से शरीर तेजी से एक्टिव होता है और मेटाबॉलिज्म भी बेहतर तरीके से काम करता है। यही कारण है कि फिटनेस एक्सपर्ट और योग गुरु सुबह योग करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी दिनभर एक्टिव, फ्रेश और ऊर्जावान महसूस करना चाहते हैं, तो सुबह सिर्फ 15-20 मिनट कुछ खास योगासन करके अपने पूरे दिन को बेहतर बना सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे आसान योगासन जो शरीर में तुरंत एनर्जी भरने में मदद कर सकते हैं।

सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार को पूरे शरीर की एक्सरसाइज माना जाता है। इसमें 12 अलग-अलग स्टेप्स होते हैं जो शरीर के हर हिस्से को एक्टिव करते हैं। सुबह खाली पेट सूर्य नमस्कार करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। इससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। साथ ही दिनभर फ्रेशनेस और एनर्जी महसूस होती है।

भुजंगासन

भुजंगासन रीढ़ की हड्डी और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसे करने से शरीर में खिंचाव आता है। दिमाग को भी शांति मिलती है। यह योगासन खासकर उन लोगों के लिए अच्छा माना जाता है जो सुबह उठते ही थकान या कमजोरी महसूस करते हैं।

ताड़ासन

ताड़ासन देखने में आसान लगता है, लेकिन यह शरीर को स्ट्रेच करके मांसपेशियों को एक्टिव करता है। सुबह इसे करने से शरीर का पोस्चर बेहतर होता है। ताड़ासन के अभ्यास से आलस कम महसूस होता है। लंबे समय तक बैठकर काम करने वालों के लिए यह योगासन काफी फायदेमंद माना जाता है।

कपालभाति और अनुलोम-विलोम

सिर्फ योगासन ही नहीं, बल्कि प्राणायाम भी शरीर को एनर्जी देने में मदद करते हैं। कपालभाति करने से शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है। साथ ही दिमाग एक्टिव महसूस करता है।
वहीं अनुलोम-विलोम तनाव कम करके मानसिक शांति देता है।

बालासन

अगर सुबह उठते ही तनाव या बेचैनी महसूस होती है, तो बालासन करना फायदेमंद हो सकता है। यह योगासन शरीर को रिलैक्स करता है। दिमाग को शांत रखने में मदद करता है। नियमित रूप से इसे करने से मानसिक और शारीरिक ऊर्जा दोनों बेहतर हो सकती है।

बच्चों की जिद कैसे खत्म करें?

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा समझदार और शांत स्वभाव का हो, लेकिन छोटे बच्चों में जिद करना एक आम बात मानी जाती है। कभी खिलौने के लिए रोना, कभी मोबाइल मांगना या अपनी बात मनवाने के लिए गुस्सा करना ऐसी स्थितियां लगभग हर घर में देखने को मिलती हैं। कई बार माता-पिता गुस्से में डांटने लगते हैं या तुरंत बच्चे की बात मान लेते हैं, लेकिन दोनों ही तरीके लंबे समय में समस्या बढ़ा सकते हैं। बच्चों की जिद को समझदारी और धैर्य के साथ संभालना ज्यादा जरूरी माना जाता है।

छोटे बच्चे अपनी भावनाओं को सही तरीके से समझा नहीं पाते। जब उनकी कोई इच्छा पूरी नहीं होती, तो वे रोने, चिल्लाने या गुस्सा करने लगते हैं। कई बार बच्चे सिर्फ ध्यान पाने के लिए भी जिद करते हैं। अगर माता-पिता हर बार बच्चे की हर मांग तुरंत पूरी कर देते हैं, तो बच्चे को लगने लगता है कि जिद करके वह सब कुछ हासिल कर सकता है। धीरे-धीरे यह आदत बन सकती है।

गुस्से से नहीं, शांति से बात करें
जब बच्चा जिद कर रहा हो, तो उस समय जोर से डांटना या मारना स्थिति को और खराब कर सकता है। बच्चा डरने के बजाय और ज्यादा चिड़चिड़ा हो सकता है। ऐसे समय में शांत रहकर उससे बात करना ज्यादा असरदार माना जाता है। उदाहरण के लिए अगर बच्चा किसी चीज के लिए रो रहा है, तो पहले उसकी बात ध्यान से सुनें। कई बार सिर्फ यह महसूस होना कि उसकी बात सुनी जा रही है, बच्चे को शांत कर सकता है।

हर बार "हां" कहना सही नहीं
कई माता-पिता बच्चों के रोने या सार्वजनिक जगह पर शर्मिंदगी से बचने के लिए तुरंत उनकी मांग मान लेते हैं। लेकिन इससे बच्चे की जिद और बढ़ सकती है। जरूरी है कि बच्चे को धीरे-धीरे "ना" सुनने की आदत भी सिखाई जाए। हालांकि "ना" बोलते समय तरीका भी मायने रखता है। सिर्फ मना करने के बजाय उसकी वजह समझाना बेहतर माना जाता है।

स्क्रीन टाइम भी बढ़ा सकता है जिद
आजकल मोबाइल और टीवी बच्चों की आदतों पर काफी असर डाल रहे हैं। ज्यादा स्क्रीन देखने वाले बच्चे जल्दी चिड़चिड़े और गुस्सैल हो सकते हैं। कई बार गेम या वीडियो बंद करने पर वे जिद करने लगते हैं। इसलिए बच्चों का स्क्रीन टाइम सीमित रखना और उन्हें आउटडोर एक्टिविटी, किताबों या खेलों में व्यस्त रखना फायदेमंद माना जाता है।

अच्छे व्यवहार की तारीफ करें
जब बच्चा बिना जिद किए किसी बात को मान ले, तो उसकी तारीफ जरूर करें। इससे बच्चे को अच्छा व्यवहार दोहराने की प्रेरणा मिलती है। विशेषज्ञ इसे positive reinforcement कहते हैं, यानी अच्छे व्यवहार को बढ़ावा देना। खुद का व्यवहार भी मायने रखता है बच्चे अपने आसपास के लोगों को देखकर बहुत कुछ सीखते हैं। अगर घर में हर छोटी बात पर गुस्सा या बहस होती है, तो उसका असर बच्चों पर भी पड़ सकता है। इसलिए माता-पिता का शांत और संतुलित व्यवहार भी बेहद जरूरी माना जाता है।

सनातन परंपरा में पूजा का अर्थ

सनातन परंपरा में पूजा का अर्थ है — श्रद्धा, प्रेम और सम्मान के साथ ईश्वर, गुरु या आराध्य का स्मरण और उपासना करना। "पूजा" केवल फूल, दीपक, धूप या नैवेद्य अर्पित करने तक सीमित नहीं है। इसका वैदिक अर्थ है मन, वचन और कर्म को भगवान की ओर समर्पित करना। शास्त्रों के अनुसार पूजा के तीन मुख्य रूप माने गए हैं :

1. **कायिक पूजा** — शरीर द्वारा की जाने वाली पूजा, जैसे दीप जलाना, पुष्प अर्पित करना, प्रणाम करना।
2. **वाचिक पूजा** — मंत्र-जाप, स्तोत्र-पाठ, भजन-कीर्तन।
3. **मानसिक पूजा** — मन में भगवान का ध्यान, स्मरण और भावपूर्वक सेवा।

भक्ति परंपरा में कहा गया है कि यदि सच्चा भाव हो तो मानसिक पूजा भी उतनी ही प्रभावशाली मानी जाती है जितनी बाहरी पूजा। Bhagavad Gita में भगवान श्रीकृष्ण बताते हैं कि भक्त यदि प्रेम से पत्र, पुष्प, फल या जल भी अर्पित करता है, तो वे उसे स्वीकार करते हैं। इसलिए पूजा का मूल तत्व सामग्री नहीं, बल्कि भक्ति और श्रद्धा है। संक्षेप में पूजा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा जीव अपने हृदय को ईश्वर से जोड़ता है और उनके प्रति प्रेम, कृतज्ञता तथा समर्पण व्यक्त करता है।

पूजा से लाभ : पूजा के लाभों को दो दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है—आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक। आध्यात्मिक दृष्टि से -सनातन परंपरा में पूजा का मुख्य उद्देश्य ईश्वर से जुड़ना, मन को शुद्ध करना और भक्ति को बढ़ाना माना गया है।

शास्त्रों के अनुसार नियमित पूजा से : ईश्वर के प्रति श्रद्धा और भक्ति बढ़ती है।,मन, वचन और कर्म की शुद्धि होती है।,एकाग्रता और आत्मसंयम विकसित होता है।,सकारात्मक संस्कार बनते हैं,जीवन में धर्म, कर्तव्य और सदाचार की भावना मजबूत होती है।,भगवान की कृपा और आंतरिक शांति का अनुभव होता है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से -नियमित पूजा, जाप या प्रार्थना करने से - तनाव और चिंता कम हो सकती है।,मन को स्थिरता और शांति मिलती है।,सकारात्मक सोच बढ़ती है।,दैनिक जीवन में अनुशासन आता है।,कठिन परिस्थितियों में मानसिक सहारा मिलता है।

शास्त्रीय दृष्टिकोण -श्रीमद्भागवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण बताते हैं कि श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया उपासना कर्म मनुष्य के अंत:करण को शुद्ध करता है और उसे ईश्वर के निकट ले जाता है। पूजा का सर्वोच्च फल केवल भौतिक लाभ नहीं, बल्कि चित्त की शुद्धि, ईश्वर-प्रेम और आत्मिक उन्नति है।

-प्रतिभा ए. शर्मा

देर शादी से बढ़ रही हैं प्रेग्नेंसी की चुनौतियां

विशेषज्ञों के अनुसार शादी में देरी का असर प्रेग्नेंसी प्लानिंग और फर्टिलिटी पर पड़ रहा है। करियर, शिक्षा और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देने के कारण आजकल कई लोग 30 से 35 वर्ष की उम्र में शादी कर रहे हैं। अधिकांश दंपती 35 वर्ष की उम्र के बाद बच्चा प्लान करना शुरू करते हैं, जबकि इस उम्र तक महिलाओं और पुरुषों दोनों की प्रजनन क्षमता कम होने लगती है। विरार स्थित नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी की फर्टिलिटी विशेषज्ञ डॉ. ज्योत्सना पलगामकर के मुताबिक, 35 वर्ष के बाद महिलाओं में अंडों की संख्या और गुणवत्ता घटने लगती है, वहीं पुरुषों में स्पर्म काउंट और गुणवत्ता पर भी असर पड़ता है। कई मरीजों में कम एएमएच, ओएटी और एजूस्पर्मिया जैसी समस्याएं पाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि फर्टिलिटी के बारे में जागरूकता की कमी के कारण कई महिलाएं समय रहते एग फ्रीजिंग या अन्य विकल्पों का लाभ नहीं उठा पातीं। 40 वर्ष की उम्र के बाद गर्भधारण में मिसकैरेज, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और अन्य जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर फर्टिलिटी जांच, सही जानकारी और आवश्यक उपचार से सफल प्रेग्नेंसी की संभावना बढ़ाई जा सकती है।

लक्ष्य कैरियर गाइडेंस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में 160 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 लोगों का भी हुआ सम्मान

बेमेतरा। एम्पलाइज एंड इंटेलेक्चुअल एसोसिएशन पंजीकृत, (लक्ष्य छत्तीसगढ़) के जिला इकाई बेमेतरा द्वारा लक्ष्य कैरियर गाइडेंस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का आयोजन सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय में किया गया। जिनमें जिला स्तर के लोधी समाज के उन मेधावी विद्यार्थियों, जिन्होंने 2026 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित किए 160 बच्चों को सामाजिक दानदाताओं एवं अतिथियों के हाथों गोल्ड मेडल एवं मोमेंटो प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही जिले के नवोदय विद्यालय में चयन होने वाले सामाजिक बच्चों में कुल 9 बच्चे एवं 4 सेवानिवृत्त शिक्षक का भी सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न जिलों में निवासरत लोधी समाज के नौकरी पेशा विशिष्ट व्यक्तित्वों में अधिकारी -अधिकारियों कृषि , शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, समाजसेवा ,अधिवक्ता, पत्रकार, डॉक्टर, प्रोफेसर, राजनीतिक, सैनिक अधिकारी, नवोदय कोचिंग संचालक,सैनिक कोचिंग संचालक, नवनियुक्त एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी गण कुल 26 लोगों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर समाज का गौरव बढ़ाया है। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के प्रबुद्ध सभी अतिथियों को लक्ष्य फाउंडेशन की ओर से प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की पूजन, दीप प्रज्वलीत एवं वंदना से किया गया। मंचासिन अतिथियों एवं वक्ता गणों का स्वागत प्रांतीय उपाध्यक्ष, लक्ष्य जिला इकाई पदाधिकारी गण एवं कार्यकारिणी सदस्यों, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिकों एवं महाविद्यालय के डायरेक्टर अविनाश तिवारी द्वारा किया गया। तत्पश्चात् जिला अध्यक्ष एवं समाधान महाविद्यालय के डायरेक्टर व प्राचार्य डॉ अवधेश पटेल ने कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा को प्रस्तुत किया। साथ ही विद्यार्थीयो को चरित्र निर्माण के 10 संकल्प एवं सामाजिक विकास के 10 संकल्प सामाजिक लोगों को कराया गया। इसके पश्चात लक्ष्य छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष चैन दास जंघेल ने लक्ष्य संस्थान के उद्देश्यों, कार्यों एवं उपलब्धियों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में रुपेश वर्मा, चीफ मैनेजर, आईसीआईसीआई बैंक, मुंबई, आईआईटीयन उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि बड़े सपने देखें, समय रहते उनकी दिशा में कार्य प्रारंभ करें और अपने प्रयासों में निरंतरता बनाए रखें। उच्च लक्ष्य, दृढ़ संकल्प और सतत परिश्रम ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने नीट एवं जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उपलब्ध अवसरों तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इन क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इन पाठ्यक्रमों के अध्ययन एवं तैयारी से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, तार्किक चिंतन तथा समस्या-समाधान क्षमता जैसे गुणों का विकास होता है, जो उनके व्यक्तित्व निखार और सफल करियर निर्माण की मजबूत आधारशिला बनते हैं। भव्य सृष्टि उद्योग के संस्थापक गणेश वर्मा ने उद्योग द्वारा बांस से निर्मित विभिन्न उत्पादों की जानकारी देते हुए बताया कि ये उत्पाद पर्यावरण अनुकूल होने के साथ सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने लक्ष्य संस्थान द्वारा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। खैरागढ़ के पूर्व विधायक कोमल जंघेल उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को चिंता से मुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने तथा माता-पिता एवं गुरुजनों का आशीर्वाद लेकर निष्ठापूर्वक सफलता के लिए प्रयास करने का संदेश दिया। तत्पश्चात वक्ता के रूप में भिलाई-दुर्ग की पूर्व महापौर नीता लोधी उपस्थित रहीं। उन्होंने समाज से कुरीतियों का त्याग कर बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया तथा लक्ष्य फाउंडेशन के शैक्षणिक प्रयासों की सराहना की। कबीरधाम के जिला शिक्षा अधिकारी एफ आर वर्मा ने विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप विषय चयन करने तथा कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों को उचित करियर मार्गदर्शन लेकर अपने लक्ष्य की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। लोधी समाज बेमेतरा के जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सभापति प्रतिनिधि गोविंद पटेल ने लक्ष्य फाउंडेशन द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और कैरियर निर्माण हेतु किए जा रहे मार्गदर्शन एवं जागरूकता प्रयासों की प्रशंसा की। समधान महाविद्यालय के डायरेक्टर अविनाश तिवारी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक सोच रखने वाले लोगों के सहयोग हेतु महाविद्यालय सदैव तत्पर है। लक्ष्य फाउंडेशन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री पूरन सिंह पटेल ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति में संस्कार, गुणवत्ता और जागरूकता का विकास करती है।

छत्तीसगढ़ डॉक्टर फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह लोधी ने विद्यार्थियों को अध्ययन के प्रभावी तरीकों की जानकारी देते हुए कहा कि विषय चयन के पश्चात उसी क्षेत्र में निरंतर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

दुर्ग। जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष दुर्ग में कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कलेक्टर सिंह ने विभिन्न शासकीय विभागीय योजनाओं का विभागवार एवं बैंकवार समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा के दौरान जिन विभागों की योजनाओं के प्रगति में कमी पायी गई उन्हें वित्तीय वर्ष में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही विभागों एवं बैंक के मध्य उचित समन्वय स्थापित कर दुर्ग जिले में चल रहे विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य पूर्ति हेतु निर्देशित किया। बैठक में बैंकों की सीडी रेशियों, प्राथमिकता क्षेत्र अंतर्गत दिए जाने वाले लोन, जनसुरक्षा योजना बीमा, पेंशन तथा विभिन्न विभागों के शासकीय योजनाओं की बैंकों में लंबित आवेदनों की विस्तृत चर्चा कर समीक्षा की गई, जिसमें चारों नगर निगम दुर्ग, भिलाई, रिसाली, भिलाई चरौदा के कमिश्नर की उपस्थिति में कलेक्टर द्वारा पीएम स्वनिधि योजना की बैंकवार समीक्षा करते हुए 15 जून तक सारे लंबित आवेदन को निराकृत कर पोर्टल में अपडेट करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना पीएम एफएमई, पीएम ईजीपी, खादी ग्रामोद्योग व पीएम अजय योजना अंत्यावसायी विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, मछली पालन, पशु पालन अंतर्गत बैंकों में लंबित आवेदनों की प्रगति व शिकायतों की समीक्षा किया गया। बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर से एलडीओ सदानंद बास्की, जिला पंचायत मुख्यकार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय गर्ग, नाबार्ड से अंशु गोयल, बैंक ऑफ बड़ौदा आरसेटी निदेशक गुलशन कुमार, एफएलसी दुर्ग लेखराम ध्रुव, सीईओ अंत्यावसायी आदर्श साव, डीपीएम एनआरएलएम सागर पंसारी तथा बैंकों के जिला समन्वयक, शाखा प्रबंधक, विभागीय जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश के किसानों को मिलेगा फायदा : राजनांदगांव में 4 सौ एकड़ में लगेगा यूरिया प्लांट

सीएम विष्णु देव साय ने पायनियर से खास बातचीत में दी जानकारी

राजनांदगांव। लंबे समय से जिले को एक बड़े उद्योग की जरूरत थी, अब यह पूरी होने जा रही है। क्योंकि राजनांदगांव में यूरिया प्लांट लगाने की प्लानिंग की जा चुकी है। यह प्लांट जिले में 400 एकड़ जमीन पर लगाया जाएगा, इसका ब्लू प्रिंट भी तैयार कर लिया गया है। केवल कैबिनेट से हरी झंडी मिलना शेष है। छग में राजनांदगांव के अलावा मप्र के किसी जिले भी इसी तरह का प्लांट लगाया जाएगा। ऐसे पांच स्थानों का चयन होना बताया गया है, इनमें तीन को फाइनल किया जाएगा। इसमें राजनांदगांव जिले का नाम फाइनल माना जा रहा है। प्रशासनिक सूत्रों की माने तो जिले में जमीन भी चिन्हांकित कर ली गई है। वहीं अभी इसकी लागत का खुलासा नहीं किया गया है। लेकिन राजनांदगांव में यूरिया प्लांट लगना तय माना जा रहा है, कैबिनेट से मंजूरी मिलने की औपचारिक प्रक्रिया शेष है। राजनांदगांव जिले के लिए यह बड़ी सौगात मानी जा रही है।

सुशासन तिहार में पायनियर को सीएम ने दी जानकारी

प्रदेश में सुशासन तिहार को लेकर हर जिले में शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी दौरान राष्ट्रीय अखबार पायनियर के खास साक्षात्कार में सीएम विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया कि राजनांदगांव में यूरिया प्लांट लगाया जाना है। इसकी तैयारी चल रही है। प्रदेश में किसानों के बीच खाद की कमी बनी रहती है, इस सवाल के जवाब में सीएम साय ने राजनांदगांव को मिलने वाली सौगात को बताया।

रोजगार के अवसर भी होंगे पैदा, मिलेगा फायदा

किसी भी जगह पर उद्योग खुलने का सीधा फायदा वहां के स्थानीय लोगों को मिलेगा। राजनांदगांव में तो यूरिया का प्लांट स्थापित किया जाना है, ऐसे में जिले के अलावा प्रदेश के किसानों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा राजनांदगांव के युवाओं को भी इससे रोजगार मिलेगा और उन्हें सीधा फायदा होगा। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस पर काम भी शुरू हो जाएगा।

जिले में वर्तमान की स्थिति पर नजर डालिए...

खरीफवर्ष 2026 के लिए सहकारी क्षेत्र में 45650 मीट्रिक टन उर्वरक भंडारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें 18500 मीट्रिक टन यूरिया, 4000 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी), 3600 मीट्रिक टन म्यूरेट ऑफपोटाश (एमओपी) तथा विभिन्न प्रकार के 9800 मीट्रिक टन एनपीके उर्वरकों का लक्ष्य शामिल है। लक्ष्य के विरुद्ध अब तक जिले में 12000 मीट्रिक टन से अधिक यूरिया, 365 मीट्रिक टन से अधिक सिंगल सुपर फॉस्फेट, 2755 मीट्रिक टन से अधिक म्यूरेट ऑफपोटाश तथा लगभग 3000 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक का भंडारण किया जा चुका है।

वार्ड 36 के व्यापक निरीक्षण में महापौर और आयुक्त का सख्त रुख, नाला-नाली सफाई व पेयजल व्यवस्था पर दिए निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने वार्ड क्रमांक 36 के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण कर नाला-नाली सफाई, पेयजल व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने तथा मानसून पूर्व तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु के पूर्व सभी प्रमुख नालों एवं नालियों की सफाई प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण की जाए, ताकि जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो तथा नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। निरीक्षण के दौरान महापौर एवं आयुक्त ने गंजपारा गली नंबर-1 में स्थित छोटी नाली का अवलोकन कर उसकी शीघ्र सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कहा कि नागरिकों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए जल टंकियों की नियमित सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। महापौर अलका बाघमार ने क्षेत्र के निवासियों से सीधे संवाद कर घरों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया तथा यह सुनिश्चित किया कि नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो रहा है। निरीक्षण के दौरान नाला सफाई कार्यों का अवलोकन करते हुए कुछ स्थानों पर नालों के आसपास कचरा एवं अवरोध पाए गए, जिससे जल निकासी प्रभावित होने की संभावना थी। इस पर महापौर ने संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा कहा कि बरसात के दौरान जलभराव से बचने के लिए नालों को अतिक्रमण मुक्त रखना आवश्यक है। गंजपारा स्थित स्टेट बैंक के पीछे बने कॉम्प्लेक्स के पास निरीक्षण के दौरान दुकान के सामने खड़ी अनुपयोगी एवं कंडम गाड़ियों को हटाने तथा उस स्थान पर वृक्षारोपण कराने की बात कही गई। वहीं गंजपारा रोड स्थित दुकानों के सामने नालियों के ऊपर बनी फ्लोरिंग के बीच-बीच में जालीदार चेम्बर निर्माण कराने के निर्देश दिए गए, ताकि भविष्य में नालियों की नियमित सफाई सुगमता से की जा सके। निरीक्षण के दौरान महापौर ने स्वयं उपस्थित रहकर नाली सफाई कार्य करवाया तथा सफाई व्यवस्था की निगरानी की। शक्ति चौरा के निकट सड़क पर भवन निर्माण मलबा पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी कर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। वहीं गंजपारा गली नंबर-1 में खराब पड़े बोर को सुधारने तथा आवश्यक स्थानों पर नई नाली निर्माण कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। इसके अलावा बांधा तालाब से जुड़े नाले की विशेष सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। महापौर अलका बाघमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मानसून पूर्व सभी नालों की सफाई, पेयजल व्यवस्था की सतत निगरानी तथा अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।निरीक्षण के दौरान लोक कर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी निलेश अग्रवाल, पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता विनोद मांझी, शोएब अहमद,अभ्युदय मिश्रा सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे का जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया

भिलाई : छत्तीसगढ़ की राजनीति के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे का जन्मदिवस आज हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनके समर्थकों, शुभचिंतकों तथा विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई संदेश प्रेषित किए हैं।

अपने लंबे राजनीतिक जीवन में प्रेम प्रकाश पांडे ने जनसेवा, संगठन मजबूती तथा क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके जन्मदिवस पर रिसाली छक्क चौक हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की ,आम्रपाली वनांचल में भी भगवान राजाराम के दर्शन पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया सामाजिक कार्यक्रम अंतर्गत 2 गार्डन का उद्घाटन किया, तथा जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

समर्थकों ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनका अनुभव और मार्गदर्शन समाज एवं राजनीति के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहा है।

दो ढाबा संचालकों और सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करने वाले 14 पर कार्रवाई

सोमनी इलाके के रिसोर्ट्स और होटल-ढाबों की चेकिंग के दौरान पुलिस ने सख्ती बरती

राजनांदगांव। हाइवे पर संचालित होटल-ढाबों और रिसोर्ट्स पर रविवार रात पुलिस की टीम ने रेड कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने और संचालकों पर कार्रवाई की है। सोमनी इलाके के मनगटा और झुराडबरी में संचालित रिसोर्ट्स में लगातार चेकिंग कर पुलिस की टीम सख्ती बरत रही है। यहां राजनांदगांव के अलावा दुर्ग-भिलाई से भी लोग आकर सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते हैं और इन्हें अवैध तरीके से शराब परोसी जाती है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई में रात्रि में मनगटा व झुराडबरी क्षेत्र अंतर्गत स्थित रिसोर्ट पर औचक छापेमारी की गई। झुराडबरी मेपल रिसोर्ट के पास आम जगह में शराब पी रहे केतन यादव निवासी टंकी मरौदा बलभोला चौक वार्ड भिलाई, रवि सेन निवासी आजाद पारा मढ़ौदा दुर्ग, दीपक निषाद निवासी टंकी मढ़ौदा दुर्ग, ललित यादव निवासी नेवई बस्ती शास0 स्कूल के पास दुर्ग, मुकेश ठाकूर निवासी टंकी मढ़ौदा, गणेश यादव निवासी नंदी चौक दुर्ग, सूरज यादव निवासी रिसाली, भीम प्रसाद सिंग निवासी टंकी मरौदा, वैभव यादव रिसाली भाठा शीतला मंदिर के पास पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा महेन्द्र यादव निवासी टंकी मढ़ौदा बजरंग चौक, विक्की यादव निवासी वार्ड न0 33 साल गोवर्धन चौक दुर्ग, ध्रुव निर्मलकर निवासी मढ़ौदा टेंक, अनुराम सोनकर सेक्टर 04 सड़क 13 ब्लाक 2 थाना भिलाई, के विरूद्ध 36(च) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया।

ढाबा संचालक पर भी की गई कार्रवाई-बताया गया कि ढाबा चेकिंग के दौरान ग्राम देवादा शेरे पंजाब ढाबा के संचालक कुलदीप सिंग पिता स्व0 अजीत सिंग द्वारा अपने ढाबा शराब सेवन करने की सुविधा उपलब्ध कराते पाए जाने पर धारा 36(सी) आबकारी एक्ट की कार्यवाही किया गया। हमारा ढाबा देवादा के पास सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने वाले अश्वनी चंद्राकर पिता राम अवतार निवासी शिव मंदिर पारा गिरधारी नगर जिला के विरूद्ध 36(च) आब0 एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

सड़क, नाली, पुलिया एवं सीसी रोड निर्माण से नागरिकों को मिलेगी बेहतर सुविधा

शहर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों की सौगात, महापौर ने किया भूमिपूजन

- **जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निगम प्रतिबद्ध, विकास कार्यों में नहीं होगी कोई कमी : महापौर अलका बाघमार**

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से लगातार निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, इसी क्रम में शनिवार शाम महापौर अलका बाघमार ने लोककर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, पार्षद विजयंत पटेल, ललित ढीमर, रंजीता पाटिल, उपअभियंता प्रेरणा दुबे तथा बड़ी संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों के साथ विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। महापौर ने वार्ड क्रमांक 56 में आलोक साहू के घर से हेमलता ठाकुर के घर तक सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही बघेरा क्षेत्र में शैलेंद्र किराना स्टोर्स से धरम साहू के घर तक सड़क निर्माण तथा इंदिरा नगर में शिव मंदिर से गुधारी निर्मलकर के घर तक सड़क एवं आवश्यक आधारभूत संरचना निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर आरसीसी नाली, पुलिया एवं सीसी रोड निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को विकास की नई सौगात दी गई। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 05 में महर्षि दयानंद स्कूल के पास एवं गया बाई स्कूल के पीछे नाली और सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वहीं मरारपारा क्षेत्र में नंदराम साहू के घर से निशांत देवांगन चौक तक सीसी रोड, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से आवागमन सुगम होगा, जल निकासी व्यवस्था में सुधार आएगा तथा क्षेत्र के नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से राहत मिलेगी। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में संतुलित विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सड़क, नाली, पुलिया एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा प्रत्येक वार्ड में आवश्यकतानुसार निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर निगम प्रशासन और महापौर का आभार व्यक्त किया। वहीं स्थानीय नागरिकों ने लंबे समय से लंबित मांगों पर कार्य प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महापौर एवं निगम प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com